PRGI No. UPHIN/25/A1698

नवसर्जन संस्कृति

नवसर्जन संस्कृति

PUBLISHED HIINDI DAILY FROM LUCKNOW

वर्ष : 02
अंक : 040
दि. 09.06.2026,
मंगलवार
पाना : 04
किंमत : 00.50 पैसा

सीएम योगी के सामने खुली लड़की की मार्कशीट, फिर जो हुआ उसकी उम्मीद मां-बेटी को भी नहीं थी

(जीएनएस)।

लखनऊः सीएम योगी आदित्यनाथ ने सोमवार को 'जनता दर्शन' के दौरान प्रदेश भर से आए लोगों की समस्याएं सुनीं। इस दौरान एक बेटी ने सीएम योगी से उच्च शिक्षा के लिए मदद की गुहार लगाई, जिस पर सीएम ने लखनऊ के किसी संस्थान में बच्ची के प्रवेश दिलाने का आदेश दिया। इसके अलावा पुलिस की अनसुनी और अवैध कब्जे से जुड़ी शिकायतों को लेकर सीएम योगी ने अफसरों को मॉनीटरिंग कर पीड़ितों को न्याय दिलाने का आदेश दिया।

लखनऊ की रहने वाली एक बेटी अपनी बूढ़ी मां के साथ सीएम से मिलने पहुंची थी। बच्ची ने बताया कि उसने इंटरमीडिएट अच्छे अंक से पास किया है। वह आगे बीटेक करना चाहती है, लेकिन पैसे न होने के कारण उसे आगे की पढ़ाई में दिक्कत आ रही है। इसके बाद सीएम योगी ने उसकी मार्कशीट देखी और बच्ची को कहा कि पढ़ाई पर ध्यान दो। आपका प्रवेश किसी अच्छे संस्थान में कराया जाएगा। सरकार किसी भी निर्धन या जरूरतमंद की शिक्षा को बाधित नहीं होने देगी। मुख्यमंत्री का आश्वासन पाकर बच्ची और मां ने सीएम योगी का आभार जताया। प्रदेश के अलग-अलग जिलों से आए हुए फरियादियों ने पुलिस की अवैध कब्जे को लेकर उचित कार्रवाई न करने की शिकायत करते हुए सीएम को प्रार्थना पत्र सौंपा। मुख्यमंत्री ने हर प्रकरण को सुना, फिर शासन के अफसरों को प्रार्थना पत्र देते हुए कहा कि इन मामलों की मॉनीटरिंग करिए। पीड़ित को न्याय और दोषियों के खिलाफ कार्रवाई कराइए। सीएम ने पीड़ितों को जल्द ही समाधान के लिए आश्वस्त किया। सीएम योगी के 'जनता दर्शन' में कई फरियादी ऐसे भी थे, जो सीधे सीएम से मिलने आ गए। मुख्यमंत्री ने पूछा कि आपने जिले के किस अधिकारी के समक्ष अपनी बात रखी। इस पर कुछ फरियादियों ने कहा कि हम सीधे यहीं आ रहे हैं। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि गर्मी बेतहाशा पड़ रही है। आप सभी अपने स्वास्थ्य का ध्यान रखें और सबसे पहले अपनी शिकायतें जनपद, मंडल स्तर के अधिकारियों से करें। कई समस्याओं का समाधान वहीं से हो जाएगा।

राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की जासूसी करा रहे नेतेन्याहू किस बात को लेकर डगमगाया भरोसा?

(जीएनएस)।

अमेरिका और इजरायल अक्सर अपने रिश्तों को "आयरनक्लैड पार्टनरशिप" यानी बेहद मजबूत और अटूट साझेदारी बताते हैं। दोनों देशों के बीच दुनिया के सबसे करीबी सुरक्षा और रक्षा संबंधों में से एक माना जाता है। लेकिन अब अमेरिकी खुफिया एजेंसियों की एक रिपोर्ट ने इन रिश्तों को लेकर नई बहस छेड़ दी है। रिपोर्ट में दावा किया गया है कि अमेरिकी अधिकारी इजरायली खुफिया एजेंसियों की गतिविधियों को लेकर चिंतित हैं, क्योंकि वे ईरान के साथ बातचीत में शामिल अमेरिकी अधिकारियों से जुड़ी संवेदनशील जानकारी जुटाने की कोशिश कर रही हैं। आसान भाषा में कहें तो अमेरिका और ईरान में क्या बातचीत हो रही है इजरायल पर इसकी जासूसी करवाने का शक है।

ईरान वार्ता के बीच बढ़ी अमेरिकी चिंता

NBC News की रिपोर्ट के मुताबिक, यह खुफिया आकलन ऐसे समय सामने आया है जब डोनाल्ड ट्रंप प्रशासन ईरान के साथ कूटनीतिक बातचीत को आगे बढ़ाने की कोशिश कर रहा है। दूसरी ओर इजरायल ईरान के साथ किसी संभावित समझौते या युद्धविराम की बातचीत को लेकर लगातार आपत्ति जता रहा है। इसी वजह से अमेरिकी एजेंसियों को आशंका है कि इजरायल अमेरिका की रणनीति और बातचीत की स्थिति को समझने के लिए अतिरिक्त खुफिया गतिविधियां चला रहा है।

क्या ट्रंप के करीबियों की जासूसी कर रहा है इजरायल?

अमेरिकी खुफिया रिपोर्टों के मुताबिक सबसे बड़ी चिंता यह है कि इजरायली एजेंसियां उन अमेरिकी अधिकारियों की निगरानी कर रही हैं जो तेहरान के साथ संभावित शांति समझौते पर काम कर रहे हैं। रिपोर्ट में कहा गया है कि इस जासूसी का मकसद ईरान के साथ बातचीत में अमेरिका की वास्तविक स्थिति और रणनीति को समझना हो सकता है।

किन अमेरिकी अधिकारियों को बनाया गया निशाना?

न्यूयॉर्क टाइम्स की रिपोर्ट के मुताबिक, इजरायल की कथित खुफिया गतिविधियों का फोकस अमेरिका के कुछ शीर्ष अधिकारियों पर था। इनमें राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के प्रमुख ईरान वातार्कार स्टीव विटकॉफ, पेंटागन के शीर्ष नीति अधिकारी एल्ब्रिज ए. कोल्बी और उनके प्रमुख सहयोगियों में से एक माइकल पी. डिमिनो IV शामिल बताए गए हैं।

अमेरिकी अधिकारियों ने कहा- इस बार सीमा पार हो गई

कुछ अमेरिकी अधिकारियों का कहना है कि अमेरिका और इजरायल दोनों लंबे समय से एक-दूसरे पर खुफिया जानकारी जुटाते रहे हैं और यह कोई नई बात नहीं है। लेकिन उनके मुताबिक, इस बार इजरायल द्वारा वॉशिंगटन की ईरान नीति को समझने के लिए किए जा रहे कथित प्रयासों ने एक सीमा पार कर दी है। अधिकारियों का मानना है कि मित्र देशों के बीच भी कुछ सीमाएं होती हैं जिन्हें पार नहीं किया जाना चाहिए।

सैन्य सहयोग के बावजूद बढ़ी बेचैनी

ईरान संघर्ष के दौरान अमेरिकी सेना इजरायल को बड़ी मात्रा में ऑपरेशनल और खुफिया जानकारी साझा कर रही है। इसके बावजूद वरिष्ठ अमेरिकी अधिकारियों का कहना है कि इजरायल सिर्फ सैन्य सूचनाओं तक सीमित नहीं रहना चाहता। वह यह भी जानना चाहता है कि राष्ट्रपति ट्रंप ईरान के साथ बातचीत को लेकर वास्तव में क्या सोच रहे हैं और उनकी आगे की रणनीति क्या है।

खतरे का स्तर 'हाई' से बढ़ाकर 'क्रिटिकल' किया गया

रिपोर्ट के मुताबिक एक खुफिया आकलन में इजरायल से जुड़े काउंटर-इंटेलिजेंस खतरे के स्तर को "हाई" से बढ़ाकर "क्रिटिकल" कर दिया गया। यानी अमेरिकी एजेंसियों को अब पहले की तुलना में कहीं अधिक गंभीर जोखिम महसूस हो रहा है। यह बदलाव अपने आप में अमेरिकी सुरक्षा तंत्र की बढ़ती चिंता को दशार्ता है।

अमेरिकी रक्षा एजेंसी की रिपोर्ट में क्या कहा गया?

बताया गया है कि यह रिपोर्ट अमेरिकी रक्षा खुफिया एजेंसी (DIA) द्वारा तैयार की गई थी और इसमें सुरक्षा एजेंसियों का भी योगदान था। रिपोर्ट में कई ऐसे मामलों का उल्लेख किया गया है जिनमें इजरायल पर अमेरिकी सैन्य कर्मियों और सरकारी अधिकारियों की जासूसी करने की कोशिश करने का आरोप लगाया गया।

फोन में संदिग्ध सॉफ्टवेयर मिलने का दावा

न्यूयॉर्क टाइम्स के मुताबिक, रिपोर्ट तैयार करने की एक वजह यह भी थी कि इजरायल में तैनात एक अमेरिकी रक्षा अधिकारी को पता चला कि उसके फोन में ऐसा सॉफ्टवेयर इंस्टॉल किया गया था जो कथित तौर पर उसकी बातचीत और संचार को इंटरसेप्ट कर सकता था। इस घटना ने अमेरिकी एजेंसियों की चिंता को और बढ़ा दिया।

इजरायल ने सभी आरोपों को बताया झूठ

इन आरोपों पर इजरायल ने कड़ी प्रतिक्रिया दी है। वॉशिंगटन स्थित इजरायली दूतावास ने कहा कि यह दावा पूरी तरह झूठा है।

राजेंद्र जैन, सुनेत्रा पवार वाली खाली सीट से बने राज्यसभा उम्मीदवार, भुजबल और नवनीत राणा को पछाड़ा

(जीएनएस)।

महाराष्ट्र की राजनीति में राज्यसभा उपचुनाव को लेकर अचानक नया मोड़ आ गया है। जिस सीट के लिए लंबे समय तक पूर्व मंत्री छगन भुजबल का नाम सबसे मजबूत दावेदार माना जा रहा था, वहां राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (एनसीपी) ने अंतिम समय में वरिष्ठ नेता राजेंद्र जैन को उम्मीदवार बनाकर सभी को अचंभित कर दिया है।

एनसीपी नेता सुनील तटकरे ने इनकी उम्मीदवारी का ऐलान करते हुए बताया महाराष्ट्र की राज्यसभा उपचुनाव सीट के लिए महायुति से नाम तय हो चुका है। महायुति ने आपसी सहमति के बाद राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (अजित पवार गुट) से विदर्भ के सीनियर नेता राजेंद्र जैन को अपना उम्मीदवार घोषित किया है।

सुनील तटकरे ने बताया मुंबई में देवगिरी निवास पर कोर कमेटी की बैठक हुई। रविवार रात को पार्टी के बड़े नेता वहां जमा हुए। काफी चर्चा के बाद राजेंद्र जैन का नाम पक्का हुआ। तटकरे ने बताया कि यह महायुति का फैसला है।

सुनेत्रा पवार के इस्तीफे के बाद खाली हुई ये सीट

पूर्व मुख्यमंत्री अजित पवार की प्लेन क्रैश दुर्घटना में मौत के बाद सुनेत्रा पवार ने मुख्यमंत्री सीट संभालने के बाद राज्यसभा से इस्तीफा दे दिया था। उनके इस्तीफे के बाद यह सीट खाली थी। इस सीट का कार्यकाल साल 2028 तक बचा है। एनसीपी उममीदवारों के नामों पर काफी जोर आजमाइश देखने को मिली थी। छगन भुजबल और नवनीत राणा के नाम भी रेस में शामिल थे लेकिन अंत में महायुति ने एनसीपी के राजेंद्र जैन को चुना।

राजेंद्र जैन पहले विधान परिषद के सदस्य रह चुके हैं। उन्होंने भंडारा से 12 साल तक प्रतिनिधित्व किया है। राष्ट्रीय कांग्रेस पार्टी (एनसीपी) के वरिष्ठ नेताओं में गिने जाते हैं और संगठन में उनकी मजबूत पकड़ मानी जाती है। राजेंद्र जैन पहले महाराष्ट्र विधान परिषद (MLC) के सदस्य भी रह चुके हैं। खास तौर पर महाराष्ट्र के उत्तर-पूर्वी क्षेत्र में उनका प्रभाव और राजनीतिक आधार मजबूत माना जाता है। उन्हें सहकारी संस्थाओं का लंबा अनुभव हासिल है और ये प्रफुल्ल पटेल के करीबी माने जाते हैं।

पार्टी ने क्यों जताया भरोसा?

एनसीपी नेतृत्व ने राजेंद्र जैन के लंबे राजनीतिक अनुभव और संगठनात्मक क्षमता को ध्यान में रखते हुए उन्हें राज्यसभा उपचुनाव के लिए उम्मीदवार बनाया है। पार्टी के भीतर उन्हें ऐसे नेता के रूप में देखा जाता है, जो जमीनी स्तर पर कार्यकताओं और संगठन दोनों के साथ मजबूत तालमेल रखते हैं।

पेपर लीक पर जीरो टॉलरेंस! 21 जून तक गुप्त ठिकाने पर रहेंगे नीट का पेपर बनाने वाले अधिकारी

पेपर लीक विवाद के बाद केंद्र सरकार और राष्ट्रीय परीक्षा एजेंसी (NTA) ने 21 जून को होने वाली री-टेस्ट परीक्षा के लिए अभूतपूर्व सुरक्षा इंतजाम किए हैं। परीक्षा की निष्पक्षता और गोपनीयता सुनिश्चित करने के लिए प्रश्नपत्र तैयार करने, मॉडरेशन से जुड़े सभी विशेषज्ञों को एक सुरक्षित और गुप्त स्थान पर रखा गया है, जहां वे परीक्षा समाप्त होने तक बाहरी दुनिया से लगभग पूरी तरह कटे रहेंगे।

शिक्षा मंत्रालय और ठळअ का दावा है कि इस बार परीक्षा प्रक्रिया के हर चरण को इतना सुरक्षित बनाया गया है कि किसी भी प्रकार का पेपर

टीएमसी में टूट? महुआ मोइत्रा ने बागियों को कहा 'गद्दार', यूसुफ पठान से पूछा- किसके इशारे पर दिल्ली जा रहे

(जीएनएस)।

पश्चिम बंगाल विधानसभा चुनाव में मिली हार के बाद तृणमूल कांग्रेस (TMC) के भीतर शुरू हुआ घमासान अब देश की राजधानी दिल्ली तक पहुंच गया है। पार्टी के संसदीय दल में एक बड़ी बगावत खड़ी हो गई है, जहां कई लोकसभा सांसद NDA सरकार के पाले में जाने की तैयारी कर रहे हैं।

इस राजनीतिक संकट और आंतरिक 'विस्फोट' के बीच TMC की फायरब्रांड नेता और कृष्णानगर से सांसद महुआ मोइत्रा अपनी पार्टी सुप्रीमो ममता बनर्जी के समर्थन में मजबूती से खड़ी हो गई हैं। महुआ मोइत्रा ने एनडीए का रुख करने वाले बागी सांसदों पर तीखा हमला बोलते हुए उन्हें 'कायर और गद्दार' करार दिया है।

महुआ मोइत्रा ने रविवार शाम को सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म '' पर बैक-टू-बैक कई पोस्ट शेयर कर बागियों को खुला चैलेंज दिया। उन्होंने लिखा- साल 2024 के लोकसभा चुनाव में इन सांसदों ने टीएमसी के टिकट पर जीत हासिल की थी। जनता ने इन्हें NDA के पक्ष में जनादेश नहीं दिया था। जितने भी लालची और खुदगर्ज गद्दार अपनी पैंट पीली कर (डरकर) अब बीजेपी में शामिल होना चाहते हैं, वे कृपया तुरंत अपनी सीट से इस्तीफा दें और बीजेपी के टिकट पर दोबारा चुनाव लड़कर दिखाएं। देखते हैं कि वे कितने बड़े सूरमा हैं।

महुआ मोइत्रा ने अपने हमले के दायरे में बहरामपुर से TMC सांसद और टीम इंडिया के पूर्व स्टार क्रिकेटर यूसुफ पठान को भी ले लिया। हालांकि, अभी यह पूरी तरह साफ नहीं है कि यूसुफ पठान बागी गुट के साथ हैं या नहीं, लेकिन महुआ ने केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह के बहाने उन पर तीखा तंज कसा। महुआ ने लिखा, यूसुफ पठान, क्या आप अमित शाह के बुलावे पर इतनी जल्दी दिल्ली भाग रहे हैं? थोड़ी हिम्मत दिखाइए। आप भारत के लिए खेले हैं। हमारे जिले की जनता ने आपको भारी

मतों से जिताकर संसद भेजा है। थोड़ी शर्म रखिए और रीढ़ की हड्डी सीधी रखिए।

पिछले दिनों राजनीतिक गलियारों में यह चर्चा जोरों पर थी कि सौरव गांगुली ने ममता बनर्जी और यूसुफ पठान के बीच मध्यस्थता की थी। रिपोर्टों में दावा किया गया था कि ममता चाहती थीं कि यूसुफ सांसद पद से इस्तीफा दे दें, ताकि एक उपचुनाव के जरिए पूर्व मुख्यमंत्री (ममता बनर्जी) खुद लोकसभा में प्रवेश कर सकें। हालांकि, सौरव गांगुली ने इन खबरों को सिरे से खारिज करते हुए किसी भी तरह की मध्यस्थता से इनकार किया है।

यह विवाद तब और गहरा गया जब बागी टीएमसी सांसद काकोली घोष दस्तीदार ने समाचार एजेंसी 'ANI' से कहा- TMC के लगभग 20 लोकसभा सांसदों ने लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला को पत्र लिखकर NDA सरकार को समर्थन देने की पेशकश की है।

क्या कहती है कानूनी स्थिति?

साल 1998 में ममता बनर्जी द्वारा गठित की गई टीएमसी के इस समय लोकसभा में कुल 28 सदस्य हैं। संविधान के दलबदल विरोधी कानून के तहत, अपनी सदस्यता गंवाए बिना पार्टी से अलग होने या नया गुट बनाने के लिए किसी भी धड़े को कम से कम दो-तिहाई (2/3) सांसदों के समर्थन की आवश्यकता होती है। टीएमसी लोकसभा गणित (कुल सांसदः 28)

दलबदल से बचने के लिए जरूरी संख्याः 19 सांसद, बागी गुट का दावाः 20 सांसद, यदि बागी गुट का 20 सांसदों का दावा सच साबित होता है, तो वे कानूनी रूप से अयोग्य होने से बच जाएंगे।

पीएम ने विशाखापत्तनम में हुए हादसे पर गहरा दुख जताया

नई दिल्ली, 08 जून (हि.स.)। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने विशाखापत्तनम स्टील प्लांट में हुए हादसे पर गहरा दुख व्यक्त किया है। उन्होंने हादसे में जान गंवाने वालों के परिजनों के प्रति संवेदना प्रकट करते हुए घायलों के शीघ्र स्वस्थ होने की कामना की है।

प्रधानमंत्री ने सोमवार को सोशल मीडिया मंच एक्स पर जारी संदेश में कहा कि वह विशाखापत्तनम स्टील प्लांट हादसे से दुखी हैं। उन्होंने कहा कि इस दुर्घटना में अपने प्रियजनों को खोने वाले परिवारों के प्रति उनकी गहरी संवेदनाएं हैं और वह घायलों के जल्द स्वस्थ होने की प्रार्थना करते हैं।

मोदी ने कहा कि स्थानीय प्रशासन प्रभावित लोगों को हरसंभव सहायता उपलब्ध करा रहा है।

केन्द्रीय गृह एवं सहकारिता मंत्री श्री अमित शाह ने दिल्ली में यमुना पुनजीर्वीकरण के मुद्दे पर समीक्षा बैठक की अध्यक्षता की

(जीएनएस)।

केन्द्रीय गृह एवं सहकारिता मंत्री श्री अमित शाह ने दिल्ली में यमुना पुनजीर्वीकरण के मुद्दे पर समीक्षा बैठक की अध्यक्षता की। बैठक में केन्द्रीय आवासन एवं शहरी विकास मंत्री श्री मनोहर लाल, केन्द्रीय जलशक्ति मंत्री श्री सी आर पाटिल, दिल्ली के उप-राज्यपाल श्री तरणजीत सिंह संधु, मुख्यमंत्री श्रीमती रेखा गुप्ता, श्री प्रवेश साहिब सिंह सहित कई वरिष्ठ अधिकारी मौजूद थे।

बैठक में केन्द्रीय गृह एवं सहकारिता मंत्री श्री अमित शाह ने कहा कि साफ और स्वच्छ यमुना प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी जी के नेतृत्व में हमारा संकल्प है और हम सभी को मिलकर इससे जल्दी ही पूरा करना है। उन्होंने कहा कि दिल्ली, हरियाणा और उत्तर प्रदेश सरकारें व सभी संबंधित मंत्रालय, यमुना की स्वच्छता के लिए टुकड़ों में नहीं बल्कि एक टीम भावना से एकीकृत कार्य योजना के तहत काम करें।

श्री अमित शाह ने कहा कि हरियाणा, दिल्ली और उत्तर प्रदेश तीनों राज्य मिलकर यमुना नदी में मानक ईको-फ्लो सुनिश्चित करें। उन्होंने कहा कि दिल्ली की डेयरियों के wastage को यमुना में जाने से रोकने के लिए दिल्ली नगर निगम (MCD) और राष्ट्रीय डेयरी विकास बोर्ड (NDDB) के बीच टङ्कव साइन होगा, जो इसे गोबर गैस तथा खाद में तब्दील करेगा। गृह मंत्री ने यह भी कहा कि NDDB मॉडल के तहत डेयरी और गौशालाओं का गोबर सीधे गैस और खाद प्लांट तक पहुंचेगा और साथ ही यमुना किनारे के कचरे का वैज्ञानिक प्रबंधन होगा।

केन्द्रीय गृह एवं सहकारिता मंत्री ने कहा कि यमुना नदी में प्रवाहित नालों की डीसिल्टिंग का काम तेजी से चल रहा है। इस वर्ष लक्षित 28.57 लाख MT में से 97% गाद निकाली जा चुकी है और बाकी 15 जून तक निकाल ली जाएगी। उन्होंने निर्देश दिया कि गाद का इस्तेमाल विभिन्न विनिर्माण परियोजनाओं में किया जाए, जिससे बारिश में ये गाद बहकर वापस यमुना में न जाये।

श्री अमित शाह ने कहा कि दिल्ली, हरियाणा और उत्तर प्रदेश में अब तक 129 STP बन चुके हैं और 2027 के अंत तक 59 नए STP's और बनाये जाएँगे। गृह मंत्री ने निर्देश दिए कि STPs, औद्योगिक wastage और सभी नालों के डिस्चार्ज को अच्छे से मॉनिटर करें।

इंडिया गठबंधन की बैठक पर गिरिराज सिंह का बड़ा बयान, 'कांग्रेस अकेले प्रधानमंत्री मोदी से. . .

(जीएनएस)।

पटना, दिल्ली में सोमवार (08 जून, 2026) को हुई इंडिया गठबंधन की बैठक पर केंद्रीय मंत्री गिरिराज सिंह का बड़ा बयान आया है. गिरिराज सिंह ने इस बैठक को लेकर विपक्षी दलों पर हमला बोला है. उन्होंने प्रधानमंत्री का नाम लेते हुए कांग्रेस को चुनौती भी दी है.

गिरिराज सिंह ने कहा, "मल्लिकार्जुन खरगे क्या कहेंगे, 25 नहीं वे 50 दलों को मिला लें, ये लोग वंशवाद के पोषक हैं. खुद राष्ट्रीय अध्यक्ष, बेटा उपमुख्यमंत्री, राहुल गांधी राष्ट्रीय नेता, गांधी परिवार से निकलेंगे नहीं... कांग्रेस अकेले प्रधानमंत्री मोदी से मुकाबला नहीं कर सकती..."

आरजेडी नेता तेजस्वी यादव के एक बयान पर उन्होंने कहा, "वे ऐसे ही बूथ कैप्चर करना चाहते हैं जैसे उनके पिताजी करते थे? वह जमाना अब गया. ये लोग वंशवादी हैं, सत्ता के बिना रह नहीं सकते इसलिए मुंगेरीलाल के हसीन सपने देख रहे हैं."

गिरिराज सिंह ने 20 TMC सांसदों के बीजेपी के नेतृत्व वाले एनडीए को समर्थन देने की खबरों पर कहा, "ये सांसद और विधायक भी अपना भविष्य देख रहे होंगेङ्क जनता हिसाब लेना चाहती है. टीएमसी अब खत्म हो चुकी है. टीएमसी का नामों-निशान नहीं है, इसलिए डूबती जहाज पर कौन बैठेगा?"

मेरठ मॉडल ने आरोप लगाया है कि उसे एक दशक से शोषण और धर्म परिवर्तन के लिए दबाव का सामना करना पड़ा है।

पुलिस की सोमवार की रिपोर्ट के अनुसार, मेरठ की एक मॉडल ने शादी का बहाना बनाकर लगभग एक दशक तक शारीरिक और आर्थिक रूप से उसका शोषण करने और बाद में उसे धर्म परिवर्तन के लिए मजबूर करने का आरोप लगाया है। सरधना क्षेत्र की रहने वाली इस महिला ने वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक के कार्यालय में शिकायत दर्ज कराई, जिसके बाद मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी गई है। मेरठ की महिला ने दीर्घकालिक शोषण का दावा किया, अपनी शिकायत में, महिला ने बताया कि उसकी मुलाकात 2015-16 में मुंबई में एक मॉडलिंग ट्रिप के दौरान आरोपी से हुई थी, जो सरधना का ही रहने वाला है। उसने आरोप लगाया कि उसने उसके करियर में मदद करने और अंततः उससे शादी करने का वादा किया था।

कानपुर में अनवरगंज-मंधाना एलिवेटेड रेलवे ट्रैक का होगा निर्माण, पीएम मोदी करेंगे शिलान्यास

(जीएनएस)।

कानपुर। अनवरगंज-मंधना एलिवेटेड डबल रेलवे ट्रैक (15.51 किमी) निर्माण का शिलान्यास प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी करेंगे। इसी क्रम में अभी तीन जून को इज्जतनगर रेल मंडल (उत्तर पूर्व रेलवे) की डीआरएम वीणा सिन्हा ने मंधाना आकर वर्तमान स्थिति का जायजा भी ले चुकी हैं।

उधर, कार्य प्रारंभ होने से पहले कार्यदायी संस्था एलिवेटेड ट्रैक बनाने को सर्वे करा रही है। 1,115 करोड़ के इस मेगा प्रोजेक्ट का उद्देश्य शहर के घनी आबादी वाले इलाकों में 18 रेलवे क्रासिंग के कारण लगने वाले जाम से लोगों को मुक्ति दिलाना है।

रेल सूत्रों के मुताबिक, एलिवेटेड डबल रेलवे ट्रैक निर्माण कार्य का प्रधानमंत्री से शिलान्यास कराने के लिए अधिकारियों ने पीएमओ को पत्राचार कर चुके हैं। कुछ समय में कार्यक्रम भी मिलने की उम्मीद जताई जा रही है। रेलवे ट्रैक पर दो साल के लिए ब्लॉक लेने को रेल बोर्ड को पत्राचार पहले ही हो चुका है।

ट्रैक निर्माण में 300 से अधिक पेड़ बन रहे बाधा

अधिकारी दो महीने के अंतराल में ब्लॉक मिल जाने की उम्मीद भी कर रहे हैं। तब तक अन्य जरूरी कार्यों को

पूरा किया जा रहा है। वर्तमान में यहां अनवरगंज-मंधना एलिवेटेड रेलवे ट्रैक के लिए कार्यदायी संस्था की तरफ से टोपोग्राफिकल सर्वे चल रहा है। इसमें पिलर मार्किंग के लिए देखा जा रहा है कि एलिवेटेड डबल ट्रैक को हवा में रोकने के लिए भारी-भरकम पिलर (खंभे) कहां-कहां खड़े किए जाएंगे, इसकी सटीक जगह तय की जा रही है। साथ ही बाधाओं की पहचान हो रही है।

पुराने ट्रैक के समानांतर मौजूद पेड़ों, बिजली के खंभों, सीवर लाइनों और अतिक्रमण को लिस्टेड किया जा रहा है। सर्वे के साथ ही स्टेशन डिजाइन पर भी काम चल रहा है। पूर्वोत्तर रेलवे की निर्माण विंग के इंजीनियरों का कहना है कि ट्रैक निर्माण में 300 से अधिक पेड़ बाधा बन रहे हैं। कई जगह अतिक्रमण भी है। विद्युत पोल, सीवर लाइन भी आड़े आ रहे हैं।

सीएसए ने रेलवे को हैंडओवर की जमीन

रावतपुर और कल्याणपुर स्टेशन को खत्म कर उनकी जगह केवल दलहन अनुसंधान केंद्र के पास "अटल स्टेशन" बनेगा। इसके लिए चन्द्र शेखर आजाद कृषि एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय ने रेलवे को 8874 वर्ग मीटर जमीन भी हैंडओवर करा दी है।

पीडब्ल्यूडी प्रांतीय खंड के सहायक अभियंता श्याम श्रीवास्तव ने बताया कि एलिवेटेड रेलवे ट्रैक के लिए 98.5 प्रतिशत जमीन रेलवे के पास पहले से उपलब्ध है। शेष डेढ़ प्रतिशत जमीन की और जरूरत है। जिसे पूरा करने के लिए ग्रामीण क्षेत्र के संबंधित 70 भू-स्वामियों की जमीनों की रजिस्ट्री कराई जा रही है।

मेट्रो से स्काईवॉक से जुड़ेगा अटल स्टेशन

रेल विभाग के इंजीनियरिंग अनुभाग के अधिकारियों ने बताया कि अटल स्टेशन को स्काईवाक के जरिए पास के मेट्रो स्टेशन से सीधा जोड़ा जाएगा, जिससे यात्री बिना स्टेशन से बाहर निकले ट्रेन और मेट्रो बदल सकेंगे।

एलडीए व अग्निशमन विभाग के संयुक्त निरीक्षण में लखनऊ के होटलों में मिलीं कई खामियां

गोमती नगर के होटल नोवोटेल में पार्किंग की जगह बेकरी, लॉन्ड्री व स्टॉफ क्वॉर्टर बने थे। यह लापरवाही मिलने पर एलडीए ने होटल प्रबंधन को नोटिस जारी किया है। एलडीए व अग्निशमन विभाग की ज्वाइंट टीम ने सोमवार को शहर के 25 होटल, रेस्टोरेंट और क्लबों की जांच की।

(जीएनएस)।

लखनऊ , गोमती नगर के होटल नोवोटेल में पार्किंग की जगह बेकरी, लॉन्ड्री व स्टॉफ क्वॉर्टर बने थे। यह लापरवाही मिलने पर एलडीए ने होटल प्रबंधन को नोटिस जारी किया है। एलडीए व अग्निशमन विभाग की ज्वाइंट टीम ने सोमवार को शहर के 25 होटल, रेस्टोरेंट और क्लबों की जांच की। जिन जगहों पर कमियां मिलीं वहां अब एक्शन की तैयारी है।

जांच के आदेश दिए

एलडीए वीसी प्रथमेश कुमार ने बताया कि दिल्ली हादसे के बाद शहर में बहुमंजिला इमारतों में फायर सेफ्टी के इंतजामों की जांच के आदेश दिए गए हैं। प्रवर्तन और फायर डिपार्टमेंट की संयुक्त टीम गठित की गई है। सोमवार को अभियान चलाकर बहुमंजिला भवनों में संचालित होटलों

व रेस्त्रां में जांच की गई। प्रवर्तन जोन-1 के जोनल अधिकारी देवांश त्रिवेदी व एफएसओ मामचन्द्र बड़गूजर के नेतृत्व में विराजखंड स्थित होटल नोवोटेल व होटल लीनेज समेत अन्य होटलों में जांच की। होटल नोवोटेल की ऊंचाई व सेटबैक मानकों के मुताबिक मिले लेकिन, स्वीकृत मैप में होटल के लोअर बेसमेंट में जिस जगह पार्किंग दिखाई गई थी, वहां बेकरी, लॉन्ड्री व स्टॉफ के लिए कमरे बने थे। होटल प्रबंधन को नोटिस जारी किया गया।

सेटबैक में अतिक्रमण

प्रवर्तन जोन-5 की जोनल अधिकारी वंदना पांडेय के नेतृत्व में टीम ने गुडंबा में कुर्सी रोड स्थित होटल एसएस ग्रैंड, आराधना इन, होटल जीआरपी समेत सात प्रतिष्ठानों में जांच की। होटल एसएस ग्रैंड में सेटबैक में अवैध निर्माण मिलने पर ध्वस्तीकरण की कार्रवाई करायी गई। पांच प्रतिष्ठानों के स्वीकृत मैप तलब किए। प्रवर्तन जोन-2 के जोनल अधिकारी रवि नंदन सिंह ने टीम के साथ गोमती नगर विस्तार स्थित होटल-मर्करी व सुशांत गोल्फ सिटी स्थित होटल कम्फर्ट विस्ता एवं होटल सेंट्रम में जांच की।

होटल मंगलम पर होगी कार्रवाई

प्रवर्तन जोन-4 के जोनल अधिकारी माधवेश कुमार की अगुवाई में टीम ने हरदोई रोड स्थित होटल मंगलम पैलेस का निरीक्षण किया। जहां मानचित्र के विपरीत उपयोग व निर्माण कार्य मिलने पर कार्रवाई प्रचलित की जा रही है। इसी तरह आईआईएम रोड स्थित होटल एसडी पैलेस, होटल आरके ग्रैंड, नेशनल पैलेस व सीतापुर रोड स्थित होटल रेवांता में जांच की गई, इनसे स्वीकृत मानचित्र सम्बंधी दस्तावेज मांगे गये हैं।

पीएम मोदी ने अर्मेनिया के संसदीय चुनाव में प्रधानमंत्री निकोल को जीत की दी बधाई, सिविक कॉन्ट्रैक्ट पार्टी को मिले ज्यादा वोट

(जीएनएस)।

अर्मेनिया के प्रधानमंत्री निकोल पाशिन्यान की पार्टी सिविक कॉन्ट्रैक्ट ने संसदीय चुनाव में शानदार जीत हासिल की है। भारत के पीएम मोदी ने पीएम निकोल को चुनाव में जीत की बधाई दी। अर्मेनिया में संसदीय चुनाव 7 जून को हुए थे। पीएम मोदी ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर जीत की बधाई देते हुए लिखा, 'संसदीय चुनाव में सिविल कॉन्ट्रैक्ट पार्टी की शानदार जीत पर निकोल पाशिन्यान को बधाई। नया जनादेश अर्मेनिया के लोगों के आपके नेतृत्व और विजन पर पक्के भरोसे और विश्वास को दिखाता है। मैं भारत और अर्मेनिया के बीच दोस्ती और सहयोग के गहरे और ऐतिहासिक संबंधों को और गहरा करने के लिए आपके साथ मिलकर काम करने का इंतजार कर रहा हूं।'

रूस-यूक्रेन युद्ध के बीच अर्मेनिया में सिविक कॉन्ट्रैक्ट पार्टी की जीत ने सबका ध्यान खींचा है। यूरोपीय संघ और पश्चिमी देशों ने पीएम निकोल को इस जीत की बधाई दी। पिछले महीने रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन ने उन आर्थिक

फायदों के बारे में बताया, जो अर्मेनिया को पश्चिमी देशों के साथ करीबी संबंध बनाने पर खोने पड़ सकते थे। रूसी राष्ट्रपति ने साफ तौर पर कहा कि यूक्रेन में संकट ईयू में शामिल होने की कोशिशों से शुरू हुआ था।

रूस अर्मेनिया को 177.50 डॉलर प्रति 1,000 क्यूबिक मीटर पर गैस सप्लाई करता है, जबकि यूरोपियन मार्केट की कीमतें, जैसा कि पुतिन ने अप्रैल में पाशिन्यान को बताया था, 600 डॉलर से ज्यादा हैं। चुनाव से पहले के दो हफ्तों में, रूस ने अर्मेनियाई फूलों, मिनरल वॉटर, कॉन्यैक, ताजी सब्जियों और फलों के एक्सपोर्ट पर प्रतिबंध लगा दिया था। चुनाव आयोग के अनुसार, शुरूआती नतीजों में पाशिन्यान की सिविल कॉन्ट्रैक्ट पार्टी 49.81 फीसदी वोटों के साथ आगे चल रही है, जबकि रूसी-अर्मेनियाई अरबपति सैमवेल करापेत्यान का स्ट्रॉन्ग अर्मेनिया अलायंस 23.29 फीसदी वोटों के साथ पीछे है।

पूर्व राष्ट्रपति रॉबर्ट कोचरियन का अर्मेनिया अलायंस लगभग 9.94 फीसदी वोटों के साथ तीसरे स्थान पर था, उसके बाद प्रॉस्पेरस अर्मेनिया पार्टी थी, जिसने 4 फीसदी वोटों के साथ चुनावी सीमा पार कर ली। कमीशन ने कहा कि 59.97 फीसदी वोट पड़े। सोमवार सुबह एक प्रेस कॉन्फ्रेंस में, पाशिन्यान ने कहा कि उनकी सिविल कॉन्ट्रैक्ट पार्टी जीत गई है, और इसे 'ऐतिहासिक जीत' बताया।

अपना मौसम उपग्रह विकसित करने को तैयार यूपी सरकार, सीएम योगी ने दिया हरसंभव सहयोग का आश्वासन

(जीएनएस)।

लखनऊ। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि मौसम पूर्वानुमान एवं अनुसंधान के क्षेत्र में प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में

पिछले 12 वर्षों में किए गए कार्यों के परिणाम स्पष्ट दिखाई दे रहे हैं। लखनऊ में क्षेत्रीय मौसम विज्ञान केंद्र की स्थापना से उत्तर प्रदेश को विशेष लाभ मिलेगा। यह कदम विकसित भारत के लक्ष्य की दिशा में एक महत्वपूर्ण वैज्ञानिक पहल है।

यूपी 11 प्रतिशत कृषि योग्य भूमि में प्रदेश देश का 21 प्रतिशत खाद्यान्न उत्पादन करता है। समय पर मौसम, बारिश, अतिवृष्टि, अनावृष्टि या ओलावृष्टि की जानकारी नहीं मिलेगी तो हम किसानों के साथ न्याय नहीं कर पाएंगे।

क्षेत्रीय केंद्र की स्थापना मौसम की और सटीक जानकारी प्राप्त करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है। सीएम ने सोमवार को केंद्रीय राज्यमंत्री डा. जितेंद्र सिंह संग बटन दबाकर क्षेत्रीय मौसम विज्ञान केंद्र का शुभारंभ किया। उन्होंने कहा, उत्तर प्रदेश सरकार अपना यूपी-विशिष्ट उपग्रह चाहती है, जो मौसम संबंधी सटीक जानकारी देने में सक्षम हो।

यदि ऐसा कोई उपग्रह विकसित किया जाता है तो राज्य सरकार उसका पूरा समर्थन करेगी और सभी आवश्यक सहयोग उपलब्ध कराएगी। मुख्यमंत्री ने कहा कि इस संबंध में वह पहले भी भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन (इसरो) से चर्चा कर चुके हैं।

योगी आदित्यनाथ ने उत्तर प्रदेश में क्षेत्रीय मौसम विज्ञान केंद्र की स्थापना के लिए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का आभार जताते हुए कहा कि आज केंद्रीय मंत्री जितेंद्र सिंह की उपस्थिति में लखनऊ खुद को मेट्रोलाजिकल रीजनल सेंटर के रूप में स्थापित कर रहा है।

आपदा से तीन घंटे पहले मोबाइल पर अलर्ट

सीएम ने कहा कि 13 मई को आंधी-तूफान से प्रदेश के कुछ जिलों में जन-धन की काफी हानि हुई थी। बैठक में मैंने पूछा कि अर्ली वार्निंग सिस्टम क्यों काम नहीं कर रहा था? पता चला कि सिस्टम तो काम कर रहा है, लेकिन स्थानीय प्रशासन की सक्रियता का अभाव है।

फिर रात में पूरे प्रदेश के अधिकारियों के साथ वीडियो कान्फ्रेंसिंग में मैंने कहा कि जब अलर्ट मिल रहा है तो आपको भी स्थानीय स्तर पर लोगों व संस्थाओं को सतर्क करना चाहिए। इस बैठक के चौथे-पांचवें दिन भी आपदा आई, लेकिन तीन घंटे पहले सबके मोबाइल पर अलर्ट आना प्रारंभ हो गया।

मौसम के अलर्ट ने कीर्तन कर रहे श्रद्धालुओं को बचाया

सीएम ने सहारनपुर की घटना का जिक्र करते हुए बताया कि वहां शिवालिक पहाड़ी की तलहटी में मां शाकम्भरी देवी का मंदिर है। देहरादून व शिवालिक पहाड़ियों में भारी बरसात हुई। यहां बारिश होने से एकत्र होने वाला जल बाढ़ जैसा माहौल पैदा कर देता है। उस समय मंदिर में कीर्तन चल रहा था, जहां बड़ी संख्या में श्रद्धालु मौजूद थे, लेकिन मौसम विभाग ने समय से सही जानकारी दी तो सभी को सुरक्षित स्थान पर भेज दिया गया, जिससे जनधन की व्यापक हानि रोकने में मदद मिली।

अर्ली वार्निंग सिस्टम का लाभ

मुख्यमंत्री ने कहा कि मीरजापुर, सोनभद्र, चंदौली आदि कई जिलों में आकाशीय बिजली का खतरा बहुत रहता है। हर वर्ष 100-150 लोगों की मौत होती थी। चार-पांच वर्ष पहले प्रयागराज से पटना के बीच आंधी व वज्रपात से एक ही दिन में 90 मौतें हुई थीं। इसमें यूपी के 30 व बिहार के 60 लोग शामिल थे।

इसके बाद एनडीआरएफ, एसडीआरएफ, एमडीएमए, भारतीय मौसम विज्ञान विभाग की बैठक में मैंने पूछा कि आखिर इन मौतों को कौन रोकेगा? क्या इसे तकनीक से रोका नहीं जा सकता, तब विभाग ने बताया कि यह संभव है?

अर्ली वार्निंग सिस्टम लगाने का परिणाम है कि इन जिलों में हर वर्ष होने वाली मौत के आंकड़े घटकर महज दर्जन भर रह गए। हालांकि, लोगों को भी ऐसे मौसम में लापरवाही नहीं बरतनी चाहिए और मौसम के अलर्ट पर सतर्क रहना चाहिए।

मौसम चक्र में आया एक महीने का अंतर

सीएम योगी ने कहा कि मनुष्य ने जबसे बुद्धिमत्ता का उपयोग प्रारंभ किया होगा, उसके लिए सबसे पहले मौसम की जानकारी, आकाश में चमकती बिजली, बादलों से होने वाली वर्षा जैसी स्थितियां कौतूहल का विषय बनीं। ऋषि-मुनियों ने स्थानीय परिस्थितियों को ध्यान में रखते हुए पंचांग का निर्माण किया। आज भी ग्रह-नक्षत्रों के आधार पर की गई गणना मौसम की सटीक जानकारी का आधार बनती है।

लोक कहावतों, लोक परंपराओं में भी हम देखते थे कि अमुक चिड़िया की बोली या जानवरों का व्यवहार परिवर्तन मौसम की पूर्व जानकारी देने का माध्यम बनता था। उन्होंने कहा कि क्लाईमेट चेंज होने से मौसम चक्र में लगभग एक महीने का अंतर आया है। हमने स्वार्थ के लिए प्रकृति का दोहन किया है तो प्रकृति भी हमसे विमुख होती दिख रही है।

प्रदेश में 450 आटोमेटिक वेदर स्टेशन, ब्लाक स्तर पर 2000 ऑटोमेटिक रेनगेज स्थापित हुए हैं। इसके माध्यम से वर्षा की सटीक जानकारी किसानों को उपलब्ध कराते हैं। आजमगढ़, वाराणसी, अलीगढ़, झांसी, लखनऊ में एक्सबैंड डाप्लर वेदर राडार स्थापित किए जा रहे हैं।

कार्यक्रम में भारतीय मौसम विज्ञान विभाग के महानिदेशक डॉ. मृत्युंजय महापात्र, क्षेत्रीय मौसम विज्ञान केंद्र नई दिल्ली के प्रमुख डॉ. दुष्मंत रंजन पटनायक, लखनऊ मौसम केंद्र के प्रमुख डॉ. मनीष रमेश रानाल्कर आदि मौजूद रहे।

लखनऊ समेत 45 जिलों में आज से भीषण गर्मी

प्रदेश में रविवार को मौसम ने फिर करवट लिया। सोमवार को सूबे के 24 से अधिक जिलों में अधिकतम तापमान 40 डिग्री सेल्सियस के पार पहुंच गया। मौसम विभाग का कहना है राज्य में अगले एक सप्ताह तक तापमान में लगातार वृद्धि हो सकती है। अगले पांच दिनों में लखनऊ समेत 45 से अधिक जिलों में दिन के पारे में तीन से पांच डिग्री तक बढ़ोत्तरी होने के पूर्वानुमान हैं। दोपहर 12 बजे के बाद बादलों की आवाजाही और तेज धूप की वजह से राजधानी में अधिकतम तापमान 40.3 डिग्री सेल्सियस रिकार्ड किया गया, जबकि न्यूनतम पारा सामान्य से तीन डिग्री अधिक 29.7 डिग्री सेल्सियस पहुंच गया।

वरिष्ठ मौसम वैज्ञानिक अतुल कुमार सिंह के अनुसार, मंगलवार से 11 जून के दौरान प्रदेश के ज्यादातर इलाकों में लू चलने का अलर्ट जारी किया गया है। सोमवार को 43.6 डिग्री सेल्सियस के साथ वाराणसी सबसे गर्म जिला रहा, जबकि 31.2 डिग्री सेल्सियस के साथ झांसी में सबसे गर्म रात रिकार्ड की गई।

यूपी में लौट रहे विलुप्त जीव! दुधवा में 117 साल बाद दिखा दुर्लभ सांप, सीएम योगी ने लिखी 'पाती'

उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने प्रदेश वासियों के नाम 'योगी की पाती' लिखी है। इसमें उन्होंने जैव विविधता को संरक्षित करने के लिए आम लोगों की भागीदारी पर जोर दिया है।

(जीएनएस)।

लखनऊ : उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने आज प्रदेश के लोगों के नाम पत्र ' योगी की पाती ' लिखा है। उन्होंने इस पत्र में लोगों से कहा है कि जैव विविधता के संरक्षण का प्रयास जन भागीदारी बढ़ने पर ही सफल होगा। उन्होंने कहा है कि प्रकृति से विमुख होकर आधुनिक बनना ठीक नहीं है। उन्होंने कहा है कि प्रकृति के बीच सिर्फ पर्यटक बनकर नहीं बल्कि जिज्ञासु विद्यार्थी बनकर जाएं। उन्होंने यूपी सरकार के प्रकृति संरक्षण के प्रयासों का जिक्र करते हुए बताया है कि, घास के मैदानों में अत्यंत दुर्लभ जर्डन्स बैबलर पक्षी वर्षों बाद दिखाई दिया। दुधवा टाइगर रिजर्व में पेंटेड कीलबैंक नाम के दुर्लभ सर्प की मौजूदगी 117 वर्ष बाद दर्ज की गई।

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने सोशल मीडिया वेबसाइट एक्स पर 'योगी की पाती' पोस्ट की है। उन्होंने इस पत्र में लिखा है- 'मेरे सम्मानित प्रदेश वासियो, सनातन संस्कृति में प्रकृति के प्रत्येक जीव को सृष्टि का अभिन्न अंग माना गया है। जैव विविधता के संरक्षण का प्रयास तभी सफल होगा, जब जन भागीदारी बढ़ेगी। '

अनुभवों पर ब्लॉग और आलेख लिखें

सीएम योगी ने लिखा है, 'मैं सभी से आग्रह करता हूं कि जब भी प्रकृति

के बीच जाने का अवसर मिले, तो केवल पर्यटक बनकर नहीं, बल्कि जिज्ञासु विद्यार्थी की भांति उस स्थल को परखें। अपने अनुभवों को ब्लॉग और आलेखों के माध्यम से साझा करें। प्रकृति के प्रति जागरूकता और अपनापन ही हमारी जैव विविधता के सबसे बड़े संरक्षक हैं।'

उन्होंने लिखा है, 'वर्षा ऋतु में अलग-अलग कीट-पतंगों की आवाज, गर्मियों की रातों में जुगनुओं की चमक, भोर में गौरैयों की चहचहाहट और पेड़ों पर मैनाओं का कलरव, जो पहले दैनिक जीवन का हिस्सा थे, आज शहरों में लगभग दुर्लभ हो चुके हैं। इनकी लुप्तप्राय स्थिति चिंताजनक है और जीवन के लिए खतरे का सूचक।'

प्रकृति से विमुख होकर आधुनिक न बनें

मुख्यमंत्री ने लिखा है, 'आधुनिकता आवश्यक है, परंतु प्रकृति से विमुख होकर नहीं। जीव-जंतु प्रकृति के सौष्ठव का प्रतीक मात्र नहीं, अपितु स्वस्थ पर्यावरण का श्रृंगार हैं। प्रकृति का संतुलन भी छोटे-छोटे जीव-जंतुओं से बना रहता है। फसल उत्पादन से लेकर खाद्य श्रृंखला तक, प्रकृति के वृहत्तर चक्र में प्रत्येक जीव की महत्वपूर्ण भूमिका है।'

उन्होंने लिखा है, 'सनातन संस्कृति में प्रकृति के प्रत्येक जीव को सृष्टि का अभिन्न अंग माना गया है। त्रिलोक में अजेय माने जाने वाले दशानन का संहार करने वाली प्रभु श्रीराम की सेना में वानर से लेकर ऋक्ष, जटायु और नन्ही गिलहरी तक का योगदान था। यह मानव, प्रकृति तथा विभिन्न जीव-जंतुओं के परस्पर आश्रित रहने का परिचायक है।'

दुधवा में 117 साल बाद दिखा दुर्लभ सर्प

चिट्ठी में सीएम योगी ने लिखा है, 'नौ वर्ष पूर्व जब हमने कार्यभार संभाला था, तब पर्यावरण संरक्षण को सरकार की सर्वोच्च प्राथमिकताओं में शामिल किया गया था। वन्यजीव संरक्षण और पर्यावरण संवर्धन के सतत प्रयासों का परिणाम है कि उत्तर प्रदेश में बाघों, तेंदुओं और राज्य पक्षी सारस की संख्या में निरंतर वृद्धि हुई। साथ ही, अंतरराष्ट्रीय स्तर पर प्रतिष्ठित आर्द्रभूमियों की रामसर सूची में प्रदेश के 13 स्थलों ने जगह बनाई है।

यूपी में रोजगार और स्वरोजगार के नए अवसर खोलेंगे वस्त्रोद्योग और माटीकला क्षेत्र, सीएम योगी ने दिए निर्देश

(जीएनएस)।

लखनऊ। प्रदेश सरकार ने वस्त्रोद्योग और माटीकला क्षेत्र को रोजगार सृजन के बड़े माध्यम के रूप में विकसित करने की तैयारी तेज कर दी है। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने इन दोनों क्षेत्रों के लिए ऐसी कार्ययोजना तैयार करने के निर्देश दिए हैं, जो युवाओं, महिलाओं और पारंपरिक कारीगरों को कौशल विकास, आधुनिक तकनीक, वित्तीय सहायता और बाजार से जोड़ते हुए आत्मनिर्भरता की राह पर आगे बढ़ाए।

मुख्यमंत्री ने स्पष्ट किया कि प्रशिक्षण का उद्देश्य केवल प्रमाणपत्र देना नहीं, बल्कि रोजगार और स्वरोजगार के ठोस अवसर उपलब्ध कराना होना चाहिए। वस्त्रोद्योग व माटीकला क्षेत्र रोजगार व स्वरोजगार के नए अवसर खोलेंगे।

मुख्यमंत्री ने अपने आवास पांच कालिदास मार्ग में आयोजित समीक्षा बैठक में वस्त्र एवं परिधान क्षेत्र की वर्तमान जरूरतों और भविष्य की संभावनाओं के अनुरूप कौशल विकास व्यवस्था विकसित करने के निर्देश दिए।

कहा कि प्रदेश वस्त्रोद्योग के क्षेत्र में निवेश, उत्पादन और रोजगार के मामले में तेजी से अपनी पहचान मजबूत कर रहा है। ऐसे में उद्योगों को उनकी आवश्यकता के अनुरूप प्रशिक्षित और दक्ष मानव संसाधन उपलब्ध कराना जरूरी है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि कौशल विकास कार्यक्रमों को उद्योगों की मांग के अनुरूप बनाया जाए ताकि प्रशिक्षण प्राप्त करने वाले युवाओं को सीधे रोजगार के अवसर मिल सकें। उद्योगों की वास्तविक जरूरतों का आकलन कर प्रशिक्षण पाठ्यक्रमों को अधिक उपयोगी, आधुनिक और रोजगारपरक बनाया जाए।

उन्होंने कहा कि वस्त्र उद्योग में तकनीकी बदलाव तेजी से हो रहे हैं। आटोमेशन, आधुनिक मशीनरी और टेक्निकल टेक्सटाइल्स जैसे नए क्षेत्रों के विस्तार को देखते हुए प्रशिक्षण कार्यक्रमों को समयानुकूल बनाना जरूरी है।

माटीकला क्षेत्र की समीक्षा करते हुए मुख्यमंत्री ने कहा कि यह प्रदेश की सांस्कृतिक विरासत और ग्रामीण अर्थव्यवस्था का महत्वपूर्ण हिस्सा है। मिट्टी से बने उत्पाद पर्यावरण के अनुकूल होने के साथ-साथ हजारों परिवारों की आजीविका का आधार भी हैं।

उन्होंने माटीकला उत्पादों के उपयोग को बढ़ावा देने, कारीगरों को आधुनिक डिजाइन, सोलर चाक, उन्नत उपकरण और नई तकनीकों से जोड़ने पर जोर दिया। बैठक में बताया गया कि वर्ष 2019-20 से 2025-26 तक 1,331 इकाइयों की स्थापना की गई है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि पारंपरिक उद्योगों को केवल संरक्षण देने की नहीं, बल्कि नवाचार, ब्रांडिंग, डिजिटलीकरण और आधुनिक बाजार से जोड़ने की आवश्यकता है। माटीकला उत्पादों को ई-कामर्स प्लेटफॉर्म, डिजाइन विकास और आधुनिक विपणन तंत्र से जोड़कर राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय बाजारों में नई पहचान दिलाई जा सकती है।

PRGI No.: UPHIN/25/A1698 Published & Owned by RAGINI JIGNESHKUMAR VAGHELA and Printed By SUSHILA SHUKLA at Krishna Printiers, 271/31 Chakmaki Dugawa, Rajendranagar, Lucknow-226018, Uttar Pradesh.
and Published from 538 GHA/85 Pataurganj, Near Janki Prasad Dharmshala, Sitapur Road, Niralanagar, Lucknow-226020, Uttar Pradesh. Editor : VINOD KUMARI
Regd.Office : B/13, Sneh Plaza Shopping Center, I.O.C. Road, Chandkheda, Ahmedabad - 382 424 Gujarat,India. Phone : (o) 7698333307 (M) 8485951747,7096333307
Email:navsarjansanskruti2016@gmail.com*navsarjansanskruti2016@yahoo.com*Website : www.navsarjansanskruti.com

सम्पादकीय

पिछले कुछ घंटों में हुई घटनाओं के चलते पश्चिम एशिया में नए सवाल खड़े

क्या अमेरिका ईंरान पर जमीनी हमले की तैयारी कर रहा है और सीजफायर के नाम पर ईंरान को बेववूफ बना रहा है? अमेरिकी वारशिप यूएसएस त्रिपोली की तैनाती के बाद सवाल फिर यह उठ गया है कि अमेरिका की असल नीयत क्या है? त्रिपोली की तैनाती के बाद यह सवाल उठाना लाजमी है। अमेरिकी सेना ने शनिवार को ईंरान की ओर से लांच किए गए ड्रोन को तबाह कर देने का दावा किया। वहीं अब होर्मूज में यूएसएस त्रिपोली की तैनाती की ताजा खबर आई है। सवाल उठता है कि क्या ईंरान पर अब जमीनी हमला होने जा रहा है? अमेरिका और ईंरान के बीच शांति वार्ता कहने को तो अभी जारी है। लेकिन जमीन और समुद्र पर जो स्थिति दिख रही है वे वुछ और ही कहानी की ओर इशारा कर रही है। पिछले 72 घंटों में हुईं कई सैन्य कार्रवाईंयों ने पश्चिम एशिया में नए सवाल खड़े कर दिए हैं। सबसे बड़ा सवाल यह है कि क्या अमेरिका सिर्प ईंरान पर दबाव बना रहा है या फिर होर्मूज जलडमरूमध्य पर निर्णायक बढ़त हासिल करने की तैयारी कर रहा है? क्योंकि जो तैनाती अमेरिका कर रहा है, उसे देखकर तो ऐसा लगता है कि ट्रंप अब ईंरान के आइलैंड पर कब्जा करने जा रहा है? घटनाओं की शुरूआत उस खबर से हुईं जिसमें बताया गया कि ईंरानी झंडे वाले चार तेल टैंकर होर्मूज पार करने में सफल रहे। ये जहाज कथित तौर पर करीब 70 लाख बैरल तेल लेकर निकले थे और प्रतिबंधों के बावजूद आगे बढ़ गए। लेकिन इसके वुछ ही घंटों बाद अमेरिकी इंडो-पैसेफिक कमांड ने घोषणा की कि उसने हिंद महासागर में प्रतिबंधित तेल टैंकर एमटी डेविना को रोककर इस पर कब्जा कर लिया है। फिलहाल यह स्पष्ट नहीं है कि कब्जे में लिया गया जहाज उन्हीं चार टैंकरों में से एक था या नहीं। लेकिन टाइमिंग ने कईं अटकलों को जन्म दिया है। इसे मसले पर संभल ही रहा था कि उस पर अमेरिका ने हमला कर दिया। शनिवार को ही अमेरिकी सैंट्रल कमांड ने दावा किया कि उसने होर्मूज की ओर बढ़ रहे चार ईंरानी हमलावर ड्रोन मार गिराए। इसके तुरंत बाद अमेरिकी सेना ने ईंरान के गोसक और केशम द्वीप पर मौजूद तटीय रडार ठिकानों पर हमले किए। पहली बार नहीं है जब केशम को निशाना बनाया गया है। लेकिन मौजूदा हालात में इस द्वीप का नाम बार-बार सामने आना सैन्य विश्लेषकों का ध्यान खींच रहा है। जवाब में ईंरान ने भी वुवैत और बहरीन की ओर सात मिसाइलें दागी। इनमें से 6 को अमेरिका ने रोकने का दावा किया। इस बीच अमेरिका ने यूएसएस त्रिपोली की अरब सागर और होर्मूज क्षेत्र में तैनाती की है। यूएसएस त्रिपोली कोईं साधारण युद्ध पोत नहीं है। यह एक उभयचर हमलावर जहाज है, जिसका मतलब है कि ये जहाज पानी से तो हमला कर ही सकता है, जरूरत पड़ने पर जमीन के बेहद करीब जाकर सैनिकों को उतार भी सकता है। ऐसे जहाज समुद्र से सीधे सैन्य अभियान चलाए जाने के लिए बनाए जाते हैं। उधर केशम ईंरान का सबसे बड़ा द्वीप है और होर्मूज के मुहाने पर मौजूद है। इसे न डूबने वाला एयरव्राफ्ट कैरियर भी कहा जाता है। ईंरान ने यहां वर्षो से रडार सिस्टम, ड्रोन बेस, एंटी शिप मिसाइलें, अंडरग्राउंड सुरंगे और नौ सैनिक अड्डे बनाए हुए हैं। अगर अमेरिका इस द्वीप पर कब्जा कर लेता है तो उसे कईं बड़े स्ट्रेटिजिक फायदे मिल सकते हैं। वैसे अमेरिका के लिए केशम पर कब्जा बिल्वुल भी आसान नहीं होने वाला है। इसका मतलब होगा सीधे अंगारों को हाथ में लेना। केशम ईंरानी जमीन से बेहद करीब है। अगर अमेरिका अपने सैनिकों को यहां उतारता है तो उसे ईंरान की मिसाइलों, ड्रोन, नौ सैनिक हमलों और संभावित गुरिल्ला प्रतिरोध का सामना करना पड़ सकता है। यूएसएस त्रिपोली की मौजूदगी, केशम पर लगातार हमले और टैंकरों को रोकने जैसी कार्रवाईंयों ने यह बहस तेज कर दी है कि अमेरिका होर्मूज पर रणनीतिक बढ़त लेने की कोशिश कर रहा है।

विदेशी संसदों में सबसे ज्यादा संबोधन देने वाले भारतीय प्रधानमंत्री बन चुके हैं पीएम मोदी.

10 जून 2026 को भारत की सियासत में पीएम मोदी सलगातार सबसे लंबे समय तक पीएम रहने वाले नेता बनेंगे. नेहरू ने जब अमेरिकी संसद में अपना भाषण दिया था. तब भारत अपनी आजादी बचाने की लड़ाई लड़ रहा था. नेहरू ने अमेरिका से कोई फायदा नहीं मांगा. पीएम मोदी ने ग्लोबल लेवल पर 2014 से 2026 के बीच 19 विदेशी संसद में भाषण दिया है.

(जीएनएस)।

नई दिल्ली. जब कोई प्रधानमंत्री किसी विदेशी संसद में भाषण देता है, तो उस पल का महत्व प्रोटोकॉल से कहीं ज्यादा होता है. इसका मतलब है कि दूसरा देश न सिर्फ. भारत के नेता की मेजबानी कर रहा है, बल्कि अपनी लोकतांत्रिक संसद में झ कानून बनाने वालों, राजनयिकों, मीडिया और पूरी दुनिया के सामने झ भारत की आवाज को जगह भी दे रहा है. यहीं पर नेहरू और पीएम मोदी के बीच का अंतर अहम हो जाता है. जवाहरलाल नेहरू ने अपने कार्यकाल के दौरान तीन विदेशी संसदों को संबोधित किया था. वहीं, पीएम नरेंद्र मोदी ने 2014 से 2026 के बीच 19 विदेशी संसदों को संबोधित किया है, जो किसी भी भारतीय कार्यकारी प्रमुख के लिए सबसे ज्यादा है.

जैसे-जैसे पीएम मोदी 10 जून, 2026 को भारत के सबसे लंबे समय तक लोकतांत्रिक रूप से चुने गए और लगातार सेवा करने वाले प्रधानमंत्री के तौर पर नेहरू का रिकॉर्ड तोड़ने के करीब पहुंच रहे हैं, ये भाषण दिखाते हैं कि कैसे भारत की ग्लोबल आवाज पहचान की शुरूआती कोशिशों से आगे बढ़कर दुनिया की राजधानियों में एक व्यापक और ज्यादा आत्मविश्वास भरी मौजूदगी तक पहुंची है.

अमेरिकी सांसदों को नेहरू का 1949 का संबोधन तब हुआ था जब भारत-अमेरिका संबंध अभी शुरूआती दौर में थे. हाउस चैंबर की मरम्मत चल रही थी, इसलिए उन्होंने सीनेट जाने से पहले 'वेज एंड मीन्स कमेटी रूम' में एक स्वागत समारोह में लगभग 15 मिनट तक भाषण दिया; सीनेट की बैठक उस समय पुराने सुप्रीम कोर्ट चैंबर में हो रही थी, जहां उन्होंने वही भाषण फिर से दिया. उस समय, राष्ट्रपति हैरी एस. ट्रूमैन का वॉशिंगटन नेहरू की गुटनिरपेक्षता और समाजवादी सोच को समझने की कोशिश कर रहा था. वहीं भारत, शीत युद्ध के गुटों में तेजी से बँट रही दुनिया में अपनी नई-नई मिली आजादी की रक्षा करने की कोशिश कर रहा था.

नेहरू का संदेश सावधानी भरा लेकिन स्पष्ट था. उन्होंने कहा कि वह अमेरिका के 'दिमाग और दिल' को 'जानने-समझने की यात्रा' पर आए हैं और उसके सामने भारत का अपना 'दिमाग और दिल' रखना चाहते हैं. उन्होंने तकनीकी और यांत्रिक सहयोग का स्वागत किया, लेकिन इस बात पर जोर दिया कि भारत सबसे पहले आत्मनिर्भरता पर भरोसा करेगा और अपनी 'मुश्किल से हासिल की गई आजादी' के किसी भी हिस्से के बदले 'कोई भौतिक फायदा' नहीं चाहेगा. यह एक ऐसे नए आजाद देश की आवाज थी जो बिना निर्भरता के सहयोग चाहता था.

विदेशों की संसदों में पीएम मोदी का संबोधन भारत की वैश्विक यात्रा के एक अलग दौर का हिस्सा है. उनके भाषणों ने भारत का संदेश पड़ोसी देशों, प्रमुख पश्चिमी लोकतंत्रों, अफ्रीका, कैरिबियन, इंडो-पैसिफिक और पश्चिम एशिया की संसदों तक पहुंचाया है. 2014 में पद संभालने के तुरंत बाद, मोदी ने भूटान, नेपाल, ऑस्ट्रेलिया और फि जी की संसदों को संबोधित किया. 2015 में, उन्होंने मॉरीशस की नेशनल असेंबली, श्रीलंका की संसद, मंगोलिया की संसद, यूके की संसद और अफगानिस्तान की संसद को संबोधित किया. उन्होंने 2016 और फिर 2023 में अमेरिकी कांग्रेस को संबोधित किया. बाद की सूची और भी बढ़ीः 2018 में युगांडा, 2019 में मालदीव, 2024 में गुयाना, 2025 में घाना, त्रिनिदाद और टोबैगो, नामीबिया और इथियोपिया, और 2026 में इजरायल की नेसेट (संसद). नेसेट में, जो उनका हालिया संबोधन था, पीएम मोदी को इजरायली संसद के सर्वोच्च सम्मान से सम्मानित किया गया.

अमेरिकी कांग्रेस में पीएम मोदी ने क्या कहा

पीएम मोदी का 2016 का संबोधन नेहरू के 1949 के भाषण से बिल्कुल अलग स्थिति में हुआ था. तब तक, राष्ट्रपति बराक ओबामा के कार्यकाल में भारत-अमेरिका संबंध एक मजबूत रणनीतिक दौर में पहुंच चुके थे; ओबामा अपने कार्यकाल के दौरान दो बार भारत का दौरा करने वाले पहले अमेरिकी राष्ट्रपति बने थे. व्यापार 2009 में $60 बिलियन से बढ़कर 2015 में $107 बिलियन हो गया था, अमेरिका से भारत की रक्षा खरीद $14 बिलियन तक पहुंच गई थी, और अमेरिका में भारतीय ऋक्क तीन गुना हो गया था. वह आत्मविश्वास पीएम मोदी की भाषा में झलकता था. अटल बिहारी वाजपेयी के 'हिचकिचाहट की छाया' से बाहर निकलने के आ'न का ज़िक्र करते हुए, मोदी ने कहा कि भारत और अमेरिका ने 'इतिहास की हिचकिचाहटों' को पार कर लिया है. उन्होंने संबंधों को परिभाषित करने के लिए 'सहजता, स्पष्टता और तालमेल' जैसे शब्दों का इस्तेमाल किया और कहा कि अमेरिकी कांग्रेस ने 'बाधाओं को साझेदारी के पुलों में बदलने' में मदद की है.

2023 में, पीएम मोदी अमेरिकी कांग्रेस के संयुक्त सत्र को दो बार संबोधित करने वाले पहले भारतीय प्रधानमंत्री बने. इजरायल के प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू के बाद, वे ऐसे दूसरे अंतरराष्ट्रीय नेता भी हैं जिन्हें एक से ज्यादा बार यह सम्मान मिला है. उनके 2023 के भाषण से पता चला कि दुनिया में भारत की स्थिति कितनी बदल गई है. पीएम मोदी ने कहा कि जब वह पहली बार प्रधानमंत्री के तौर पर अमेरिका गए थे, तब भारत दुनिया की 10वीं सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था था, और अब यह पांचवीं सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बन गया है. उन्होंने कहा, 'जब भारत आगे बढ़ता है, तो पूरी दुनिया आगे बढ़ती है.' पीएम मोदी ने 'वसुधैव कुटुंबकम' झ यानी दुनिया एक परिवार है झ के विचार के जरिए दुनिया के साथ भारत के जुड़ाव को भी पेश किया. इसे भारत की ऋ२0 थीम 'एक पृथ्वी, एक परिवार, एक भविष्य' से जोड़ते हुए उन्होंने कहा कि दुनिया के साथ भारत का जुड़ाव सभी के फायदे के लिए है.

दूसरे देशों की संसद में भाषण क्यों मायने रखते हैं

दूसरे देशों की संसद में दिए गए भाषण प्रतीकात्मक होते हैं, लेकिन कूटनीति में प्रतीकों का महत्व होता है. ऐसे निमंत्रण तब दिए जाते हैं जब कोई देश सम्मान दिखाना चाहता है, राजनीतिक संबंध मजबूत करना चाहता है या आने वाले नेता के महत्व को मान्यता देना चाहता है. इसीलिए पीएम मोदी के 19 भाषण मायने रखते हैं. ये न सिर्फ. व्यक्तिगत कूटनीति को दिखाते हैं, बल्कि एक ऐसे देश के तौर पर भारत की व्यापक स्वीकार्यता को भी दर्शाते हैं जिसकी स्थिति अलग-अलग क्षेत्रों और मुद्दों पर अहम है.

'कॉकरोच जनता पार्टी बीजेपी की ' सी टीम' है', कह रहे सस्पेंडेड पीसीएस अधिकारी? कार्यक्रमों को मिली अनुमति का हवाला देते हुए सरकार की मंशा पर सवाल उठाए

(जीएनएस)।

सस्पेंडेड बरेली सिटी मजिस्ट्रेट अलंकार अग्निहोत्री ने एक बार फिर ऐसा विवादित बयान दिया है, जिसके बाद एक बार फिर वो सुर्खियों में हैं। बलरामपुर में आयोजित एक कार्यक्रम के दौरान 'कॉकरोच जनता पार्टी (CJP)' को भाजपा की 'सी टीम' बताया। उन्होंने आरोप लगाया कि सत्ता और विपक्ष के बीच दिखने वाला टकराव कई मामलों में सिर्फ दिखावा है।

अग्निहोत्री ने दावा किया कि जिस संगठन को सार्वजनिक मंचों पर राष्ट्रविरोधी बताया जाता है, उसके नेताओं को कई मौकों पर प्रशासनिक और राजनीतिक संरक्षण मिलता दिखाई देता है। उन्होंने CJP नेता अभिजीत दीपके के स्वागत और उनके कार्यक्रमों को मिली अनुमति का हवाला देते हुए सरकार की मंशा पर सवाल उठाए।

अपने संबोधन में उन्होंने राम मंदिर में आने वाली दान राशि को लेकर भी गंभीर चिंता जताई। आरोप लगाया कि श्रद्धालुओं द्वारा दिए गए करोड़ों रुपये के चंदे के उपयोग को लेकर पारदर्शिता जरूरी है और धार्मिक संस्थाओं की संपत्ति के प्रबंधन पर सार्वजनिक जवाबदेही सुनिश्चित होनी चाहिए। उन्होंने कहा आस्था से जुड़े मुद्दों को राजनीति और आर्थिक हितों से अलग रखा जाना चाहिए।

हालांकि श्री राम जन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र ट्रस्ट की ओर से कहा गया है कि दान राशि और वित्तीय लेन-देन की आंतरिक ऑडिट प्रक्रिया जारी है तथा अब तक किसी ठोस अनियमितता की पुष्टि नहीं हुई है।

पुलिस एनकाउंटर पर भी उठाए सवाल

अग्निहोत्री ने अपने भाषण में पुलिस एनकाउंटर नीति और प्रशासनिक कार्यप्रणाली पर भी सवाल उठाए। उन्होंने कहा कि कानून के शासन में हर कार्रवाई निर्धारित प्रक्रिया के तहत होनी चाहिए और किसी भी प्रकार के अधिकारों के दुरुपयोग से बचना जरूरी है।

कौन हैं अलंकार अग्निहोत्री?

अलंकार अग्निहोत्री मूल रूप से कानपुर के मूल निवासी हैं। उन्होंने यूपीपीएससी 2016 परीक्षा में 15वीं रैंक हासिल की थी इसके बाद 2019 बैच के पीसीएस अधिकारी के रूप में सलेक्ट हुए थे।

अलंकार अग्निहोत्री इंजीनियरिंग स्नातक (B.Tech) हैं और उन्होंने कानून (LLB) की भी पढ़ाई की है। उनकी शिक्षा और चयन प्रक्रिया को लेकर उन्हें शुरूआती करियर में एक मेधावी अधिकारी के रूप में देखा जाता रहा है। इन्होंने विभिन्न जिलों में एसडीएम और डिप्टी कलेक्टर के रूप में कार्य किया, लखनऊ में सहायक नगर आयुक्त के पद पर भी रहे और बाद में बरेली सिटी मजिस्ट्रेट के रूप में तैनात रहे हैं।

क्यों हुए थे सस्पेंड?

उत्तर प्रदेश की योगी सरकार ने 26 जनवरी 2025 को अलंकार अग्निहोत्री को निलंबित कर दिया था। उन्होंने सर्वाजनिक मंच से यूजीसी के नए नियमों पर सवाल उठाते कहा था कि वो अपने पद से इस्तीफा दे देंगे। जिसके बाद अनुशासनहीनता और सेवा आचरण नियमों के उल्लंघन के आरोप लगाते ही दूसरे ही दिन सस्पेंड कर दिया गया था।

निलंबन के बाद उन्हें जांच पूरी होने तक शामली जिला मजिस्ट्रेट कार्यालय से संबद्ध (अटैच) किया गया था। याद रहे सरकारी सेवा नियमों के तहत किसी भी अधिकारी को राजनीतिक या विवादास्पद सार्वजनिक गतिविधियों में भाग लेने से पहले निर्धारित नियमों का पालन करना होता है।

शंकराचार्य स्वामी के माघ मेले में की व्यवस्था पर जताई थी आपत्ति

प्रयागराज माघ मेले के दौरान शंकराचार्य स्वामी अविमुक्तेश्वरानंद सरस्वती से जुड़े एक मामले में उन्होंने प्रशासनिक व्यवस्था पर आपत्ति जताई थी। उनका कहना था कि कुछ घटनाएं धार्मिक परंपराओं और सामाजिक सम्मान के खिलाफ हैं, जिस पर उन्होंने सार्वजनिक रूप से विरोध दर्ज कराया था।

कब और कहां होगा भारत-अफगानिस्तान के बीच पहला वनडे? क्या है टॉस का टाइम

(जीएनएस)।

भारतीय क्रिकेट टीम ने अफगानिस्तान के खिलाफ एकमात्र टेस्ट मैच में एक पारी और 300 रनों से ऐतिहासिक जीत दर्ज करके सीरीज अपने नाम कर ली है। टेस्ट प्रारूप में अफगान टीम को चारों खाने चित करने के बाद अब दोनों टीमों के बीच सीमित ओवरों की जंग शुरू होने वाली है। क्रिकेट फैंस अब दोनों देशों के बीच होने वाली रोमांचक एकदिवसीय सीरीज का बेसब्री से इंतजार कर रहे हैं।

टेस्ट मैच की कड़वी यादों को भुलाकर अफगानिस्तान की टीम वनडे सीरीज में नए इरादों के साथ वापसी करने के लिए पूरी तरह बेताब नजर आ रही है। वहीं दूसरी तरफ शानदार फॉर्म में चल रही भारतीय टीम अपनी इस बादशाहत को वनडे फॉर्मेट में भी बरकरार रखना चाहेगी। दोनों टीमों के बीच होने वाले इस पहले मुकाबले को लेकर शेड्यूल और वेन्यू की सभी आधिकारिक जानकारियां सामने आ चुकी हैं।

क्रिकेट फैंस के लिए अच्छी खबर यह है कि भारत और अफगानिस्तान के बीच तीन मैचों की इस वनडे सीरीज का पहला मुकाबला शनिवार 13 जून 2026 को खेला जाएगा। वीकेंड के दिन होने वाले इस मुकाबले को लेकर दर्शकों में अभी से भारी उत्साह देखा जा रहा है। इस मुकाबले में दोनों टीमों के बीच कांटे की टक्कर होने की पूरी उम्मीद है।

यह हाई-वोल्टेज मुकाबला हिमाचल प्रदेश क्रिकेट एसोसिएशन स्टेडियम धर्मशाला के बेहद खूबसूरत मैदान पर खेला जाएगा। धर्मशाला की तेज पिचों पर तेज गेंदबाजों को हमेशा शुरूआती मदद मिलती है, जिससे मैच और भी ज्यादा रोमांचक होने की उम्मीद है। बर्फीली पहाड़ियों के बीच बने इस खूबसूरत स्टेडियम में फैंस को एक बेहतरीन मुकाबला देखने को मिलेगा।

समय की बात करें तो भारत और अफगानिस्तान का यह पहला वनडे मैच भारतीय समयानुसार दोपहर 1:30 बजे से शुरू होगा। मैच शुरू होने से ठीक आधा घंटा पहले यानी दोपहर 1:00 बजे दोनों कप्तानों के बीच टॉस उछाला जाएगा।

विराट कोहली हो चुके हैं बाहर

टीम इंडिया के स्टार खिलाड़ी विराट कोहली इस सीरीज से बाहर हो गए हैं। आईपीएल के फाइनल के दौरान ही उनको चोट लगी थी। हेमस्ट्रिंग में प्रॉब्लम की वजह से कोहली नहीं खेल रहे हैं। उनकी जगह ऋतुराज गायकवाड़ को टीम में शामिल किया गया है।

क्रिस्टन वेल्कर कौन हैं, जिसे ट्रंप ने बीच इंटरव्यू बेईमान-मूर्ख कहा? तीखी बहस में माइक फेंककर चले गए

(जीएनएस)।

अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की एनबीसी न्यूज के लोकप्रिय शो 'मीट द प्रेस' की मॉडरेटर क्रिस्टन वेल्कर के साथ एक हाई-प्रोफाइल इंटरव्यू के दौरान तीखी बहस हुई। इसके बाद, ट्रंप ने माइक्रोफोन फेंककर इंटरव्यू बीच में ही छोड़ दिया। ट्रंप ने वेल्कर को 'बेईमान' और 'मूर्ख' बताते हुए एनबीसी को 'एकतरफा और भ्रष्ट नेटवर्क' करार दिया। यह घटना रविवार (7 जून) को प्रसारित हुई, जो ट्रंप के मीडिया के साथ तनावपूर्ण संबंधों का नया उदाहरण बन गई है।

यह इंटरव्यू विस्कॉन्सिन में बारिश की चुनौती भरी परिस्थितियों के बीच टेप किया गया था। जब वेल्कर ने 2020 के चुनाव में कथित धांधली और हालिया कैलिफोर्निया प्राइमरी में वोट गिनती की देरी पर सबूत मांगे, तो ट्रंप उत्तेजित हो गए और इंटरव्यू खत्म कर दिया। आइए विस्तार से समझें क्या-क्या हुआ?

क्रिस्टन वेल्कर अमेरिकी टेलीविजन पत्रकारिता की प्रमुख हस्तियों में से एक हैं। उनका जन्म 1 जुलाई 1976 को फिलाडेल्फिया, पेंसिल्वेनिया में हुआ। वे एनबीसी न्यूज की व्हाइट हाउस संवाददाता रह चुकी हैं और सितंबर 2023 से मीट द प्रेस का संचालन कर रही हैं। वे इस शो की 13वीं मॉडरेटर और पहली अश्वेत महिला हैं, जिन्होंने इस ऐतिहासिक कार्यक्रम की कमान संभाली।

वेल्कर ने हार्वर्ड यूनिवर्सिटी से अमेरिकी इतिहास में स्नातक (कम लॉड) किया। करियर की शुरूआत कैलिफोर्निया के रेडिंग में लोकल न्यूज एंकर, कैमरा ऑपरेटर और मौसम रिपोर्टर के रूप में हुई। 2005 में फिलाडेल्फिया के एनबीसी सहयोगी स्टेशन में रिपोर्टर बनीं। 2011 में वे एनबीसी न्यूज की व्हाइट हाउस टीम में शामिल हुईं और बाद में चीफ व्हाइट हाउस कॉरेस्पॉन्डेंट बनीं।

2020 में उन्होंने पीटर अलेक्जेंडर के साथ वीकेंड टुडे को-एंकर किया। 2020 के राष्ट्रपति चुनावी डिबेट की मॉडरेटर के रूप में भी वे चर्चा में रहीं। उनकी रिपोर्टिंग ठइउ द्धँ३'८ ठी६२, ळङ्क्षि८ शो और टरठइउ पर नियमित रूप से दिखती है।

परिवार में कौन-कौन है?

वे 2017 से जॉन 'ूजेस से शादीशुदा हैं। दंपति की दो संतानें हैं। वेल्कर को उनकी संतुलित, कठोर लेकिन सम्मानजनक पूछताछ शैली के लिए जाना जाता है। मीट द प्रेस अमेरिका का सबसे पुराना टेलीविजन कार्यक्रम है, जो 1947 से चल रहा है। वेल्कर ने चक टॉड की जगह ली और इसे नई ऊर्जा दी।

क्या हुआ इंटरव्यू में?

इंटरव्यू शुक्रवार (5 जून) को विस्कॉन्सिन के एक फार्महाउस (बार्न) में टेप किया गया, जहां भारी बारिश की वजह से आवाज में दिक्कत हो रही थी। विषयों में ईरान युद्ध, अर्थव्यवस्था, 'एंटी-वेपनाइजेशन' फंड (6 जनवरी कैपिटल दंगे से जुड़े लोगों के लिए प्रस्तावित फंड) और चुनावी मुद्दे शामिल थे।

जब बात कैलिफोर्निया की जून 2026 प्राइमरी पर आई, जहां वोट गिनती में देरी हो रही थी, ट्रंप ने इसे 'धांधली' बताया। वेल्कर ने कहा कि कैलिफोर्निया में मेल-इन बैलट्स की वजह से देरी सामान्य है और कोई ठोस सबूत नहीं है। ट्रंप ने 2020 चुनाव को भी 'गंदा और धांधली वाला' बताया लेकिन सबूत पेश नहीं किए। वेल्कर के लगातार दबाव पर ट्रंप उत्तेजित हो गए। उन्होंने कहा कि आप बेईमान हैं, ठीक वैसे ही जैसे आपका नेटवर्क बेईमान है। या तो आप बेईमान हो या मूर्ख। आप उनके जाल में फंस रही हैं।

ट्रंप ने आगे कहा कि आप एकतरफा भ्रष्ट नेटवर्क हैं। 'मीट द प्रेस' भ्रष्ट है। एबीसी, सीबीएस, सीएनएन सब भ्रष्ट हैं। फिर उन्होंने माइक्रोफोन उतारकर जमीन पर फेंक दिया और कहा कि माफ कीजिए, चलिए यहीं समाप्त करते हैं। मेरा मन भर गया है। धन्यवाद डियर, आपका दिन अच्छा बीते।

वेल्कर ने इंटरव्यू जारी रखने की कोशिश की और याद दिलाया कि वे बारिश में विस्कॉन्सिन तक आई थीं।

पोर्ट, एयरपोर्ट से लेकर नेवल स्टेशन तक! भारत के लिए क्यों इतना अहम है ग्रेट निकोबार प्रोजेक्ट?

(जीएनएस)।

भारत सरकार हिंद महासागर में स्थित ग्रेट निकोबार द्वीप को एक बड़े आर्थिक और रणनीतिक हब के रूप में विकसित करने की तैयारी कर रही है। करीब 81,000 करोड़ रुपये की लागत वाले इस मेगा प्रोजेक्ट में पोर्ट, एयरपोर्ट, नेवल स्टेशन, टाउनशिप और पावर प्लांट का निर्माण किया जाएगा।

सरकार का कहना है कि यह सिर्फ एक इंफ्रास्ट्रक्चर प्रोजेक्ट नहीं, बल्कि भारत की समुद्री ताकत, व्यापारिक क्षमता और क्षेत्रीय प्रभाव को बढ़ाने की दीर्घकालिक योजना का हिस्सा है। ऐसे में सवाल है कि आखिर सरकार का पूरा प्लान क्या है और ग्रेट निकोबार भारत के लिए इतना महत्वपूर्ण क्यों माना जा रहा है?

ग्रेट निकोबार प्रोजेक्ट क्या है?

ग्रेट निकोबार अंडमान-निकोबार द्वीप समूह का सबसे दक्षिणी और रणनीतिक रूप से बेहद महत्वपूर्ण द्वीप है। सरकार यहां चार आपस में जुड़े प्रोजेक्ट विकसित करना चाहती है- इंटरनेशनल कंटेनर ट्रांसशिपमेंट पोर्ट (कउळढ), ग्रीनफील्ड एयरफील्ड और नेवल एयर स्टेशन, आधुनिक टाउनशिप तथा पावर प्लांट। इन सभी परियोजनाओं पर कुल 81 हजार करोड़ रुपये खर्च होने का अनुमान है। उद्देश्य सिर्फ इंफ्रास्ट्रक्चर बनाना नहीं, बल्कि इस द्वीप को एक विकसित आर्थिक और लॉजिस्टिक्स केंद्र में बदलना है।

सरकार का बड़ा प्लान क्या है?

सरकार की योजना ग्रेट निकोबार को हिंद महासागर क्षेत्र में भारत के प्रमुख समुद्री गेटवे के रूप में विकसित करने की है। प्रस्तावित ट्रांसशिपमेंट पोर्ट बड़े कंटेनर जहाजों को संभाल सकेगा, जबकि एयरफील्ड और नेवल स्टेशन नागरिक और रक्षा दोनों जरूरतों को पूरा करेंगे। टाउनशिप और पावर प्लांट स्थायी आबादी और आर्थिक गतिविधियों को समर्थन देंगे। सरकार का मानना है कि इससे द्वीपों में लंबे समय तक टिकाऊ विकास और भारत की मजबूत मौजूदगी सुनिश्चित होगी।

ग्रेट निकोबार की लोकेशन इतनी खास क्यों है?

ग्रेट निकोबार दुनिया के सबसे व्यस्त समुद्री व्यापार मार्गों के बेहद करीब स्थित है। हिंद महासागर से होकर एशिया, यूरोप और पश्चिम एशिया के बीच बड़ी मात्रा में व्यापारिक जहाज गुजरते हैं। यही वजह है कि इस क्षेत्र पर कई बड़ी शक्तियों की नजर रहती है। भारत के लिए यह लोकेशन समुद्री निगरानी, व्यापारिक कनेक्टिविटी और क्षेत्रीय प्रभाव बढ़ाने के लिहाज से बेहद अहम मानी जाती है।

भारत को क्या फायदा होगा?

अगर यह परियोजना सफल होती है तो भारत को आर्थिक और रणनीतिक दोनों स्तरों पर लाभ मिल सकता है। ट्रांसशिपमेंट पोर्ट के जरिए भारत विदेशी बंदरगाहों पर निर्भरता कम कर सकता है। इससे शिपिंग और लॉजिस्टिक्स सेक्टर को बढ़ावा मिलेगा। साथ ही एयरफील्ड और नेवल स्टेशन समुद्री सुरक्षा, आपदा राहत और निगरानी क्षमता को मजबूत करेंगे। सरकार का मानना है कि इससे हिंद महासागर क्षेत्र में भारत की भूमिका और प्रभाव दोनों बढ़ेंगे।

आलोचना क्यों हो रही है और सरकार का जवाब क्या है?

कुछ पर्यावरण विशेषज्ञों और आलोचकों का कहना है कि यह प्रोजेक्ट पर्यावरण और स्थानीय इकोसिस्टम पर असर डाल सकता है। वहीं कुछ लोगों का आरोप है कि इसे रणनीतिक परियोजना बताकर कमर्शियल डेवलपमेंट को आगे बढ़ाया जा रहा है। हालांकि सरकार इन आरोपों को खारिज करती है। रक्षा मंत्रालय के सूत्रों के अनुसार, रणनीति का मतलब सिर्फ सैन्य हित नहीं होता, बल्कि आर्थिक विकास, कनेक्टिविटी और राष्ट्रीय उपस्थिति भी उसका हिस्सा है। सरकार का कहना है कि ग्रेट निकोबार प्रोजेक्ट का लक्ष्य द्वीपों में दीर्घकालिक और संतुलित विकास सुनिश्चित करना है।

क्यों माना जा रहा है गेमचेंजर?

ग्रेट निकोबार प्रोजेक्ट को भारत की समुद्री रणनीति का सबसे महत्वाकांक्षी प्रोजेक्ट माना जा रहा है। यह एक साथ व्यापार, कनेक्टिविटी, सुरक्षा और क्षेत्रीय प्रभाव को मजबूत करने की कोशिश है। ऐसे समय में जब हिंद महासागर वैश्विक प्रतिस्पर्धा का अहम केंद्र बनता जा रहा है, ग्रेट निकोबार भारत को आर्थिक और रणनीतिक दोनों मोर्चों पर नई ताकत दे सकता है। इसी वजह से इसे सिर्फ एक इंफ्रास्ट्रक्चर प्रोजेक्ट नहीं, बल्कि भारत के भविष्य के समुद्री विजन का महत्वपूर्ण हिस्सा माना जा रहा है।

सिर्फ 15 दिनों में 5 प्रतिष्ठित सम्मान पाकर वरिष्ठ समाजसेवी श्रीमती मंजू लोढ़ा का नया कीर्तिमान

मुंबई, समाजसेवा, महिला सशक्तिकरण, शिक्षा, स्वास्थ्य जागरूकता और जनकल्याण के क्षेत्र में निरंतर कार्यरत वरिष्ठ समाजसेवी एवं साहित्यकार श्रीमती मंजू मंगल प्रभात लोढ़ा ने अपने प्रखर व्यक्तित्व और शानदार कृतित्व की बदौलत एक और उल्लेखनीय कीर्तिमान अपने नाम किया है। इसके अंतर्गत मात्र 15 दिनों के भीतर पाँच प्रतिष्ठित सम्मानों से सम्मानित होकर उन्होंने समाजसेवा के क्षेत्र में अपनी सक्रिय और प्रभावशाली भूमिका को एक बार फिर बखूबी सिद्ध किया है।

हाल ही में श्रीमती मंजू लोढ़ा को प्रतिष्ठित "बिलियनेयर फॉर पीस अवॉर्ड" से सम्मानित किया गया। साथ ही उन्हें बिलियनेयर फॉर पीस कॉन्क्लेव में पैनलिस्ट के रूप में आमंत्रित किया गया, जहाँ विश्व भर के प्रतिष्ठित नेता, विचारक और परिवर्तनकारी व्यक्तित्व शांति, मानवता और न्याय जैसे महत्वपूर्ण विषयों पर चर्चा के लिए एकत्रित हुए। इस अवसर पर उन्होंने डॉ. हुजैफा खोराकीवाला के प्रति आभार व्यक्त किया। इसके बाद उन्हें प्रतिष्ठित पद्मश्री महेंद्र कपूर अवॉर्ड्स समारोह में उनके अतुलनीय योगदान के लिए 'महाराष्ट्र आइकॉन अवॉर्ड' से सम्मानित किया गया। यह सम्मान उनके सामाजिक कार्यों, महिला सशक्तिकरण, शिक्षा, स्वास्थ्य जागरूकता एवं जनहित के लिए किये जा रहे निरंतर प्रयासों की सराहना के रूप में प्रदान किया गया। इस अवसर पर उन्होंने श्री दत्तात्रय माने का विशेष आभार व्यक्त किया। साथ ही उन्होंने स्वर्गीय महेंद्र कपूर के परिवारजनों रोहन कपूर, नीरजा कपूर एवं सिद्धांत कपूर के प्रति भी अपनी कृतज्ञता व्यक्त की। इसी क्रम में टाइम्स ऑफ इंडिया द्वारा भी श्रीमती मंजू लोढ़ा को परोपकार, सामाजिक प्रभाव, स्वास्थ्य जागरूकता, महिला सशक्तिकरण और सामुदायिक सेवा के क्षेत्र में उनके उल्लेखनीय योगदान के लिए सम्मानित किया गया। यह सम्मान प्रसिद्ध अभिनेता रणदीप हुड्डा द्वारा प्रदान किया गया, जो उनके समाज के प्रति समर्पण और सेवा भावना का एक और प्रमाण है। विश्व पर्यावरण दिवस के अवसर पर आयोजित राष्ट्रीय अधिवेशन में श्रीमती मंजू लोढ़ा को 'अमर शहीद मंगल पांडे अवॉर्ड ऑफ एक्सीलेंस-2026' से सम्मानित किया गया। यह कार्यक्रम श्री राकेश पांडे, श्री मुकेश पांडे एवं श्री हरेश मेहता के सहयोग से आयोजित किया गया था। कार्यक्रम में प्रसिद्ध अभिनेता राजपाल यादव तथा वरिष्ठ चिंतक एवं समाजसेवी पवन त्रिपाठी उपस्थित रहे। यह सम्मान उन्हें समाज कल्याण, पर्यावरण जागरूकता एवं राष्ट्र निर्माण के क्षेत्र में उनके उल्लेखनीय योगदान के लिए प्रदान किया गया। इनके अलावा हाल ही में उन्हें उनके परोपकारी कार्यों और समाजसेवा के लिए 'मुंबई अचीवर्स अवॉर्ड 2026' से भी सम्मानित किया गया। यह सम्मान उन्हें आभा सिंह द्वारा प्रदान किया गया, जो समाज एवं समुदाय के उत्थान के लिए उनके निरंतर योगदान के उपलक्ष्य में प्रदान किया गया। इस अवसर पर उन्होंने मीना बाफना, हसमुख बाफना एवं वरुण बाफना का विशेष आभार व्यक्त किया। श्रीमती मंजू लोढ़ा ने कहा कि प्रत्येक सम्मान उनके लिए समाज के प्रति अपनी ज़िम्मेदारियों को और अधिक निष्ठा एवं समर्पण के साथ निभाने की प्रेरणा देता है। उनका मानना है कि समाजसेवा केवल एक कार्य नहीं, बल्कि जीवन का उद्देश्य है। उन्होंने कहा कि वे आगे भी शिक्षा, स्वास्थ्य, महिला सशक्तिकरण, पर्यावरण संरक्षण और जनकल्याण के क्षेत्रों में निरंतर कार्य करती रहेंगी। लगातार प्राप्त हो रहे ये सम्मान उनके अथक परिश्रम, सेवा भावना और समाज के प्रति समर्पण का प्रमाण हैं। श्रीमती मंजू लोढ़ा आज न केवल महाराष्ट्र बल्कि पूरे देश में समाजसेवा, महिला सशक्तिकरण और मानवीय मूल्यों की सशक्त प्रेरणा एवं उदाहरण बनकर उभरी हैं।

समाज सेवा के क्षेत्र में उल्लेखनीय योगदान के लिए विभिन्न संस्थाओं द्वारा आयोजित समारोहों में श्रीमती मंजू लोढ़ा के सम्मान एवं प्रमुख प्रतिभागिता के विविध दृश्य।

बहराइच का दरगाह है सूर्यकुंड, योगी के मंत्री बोले - एएसआई सर्वे कराएंगे

उत्तर प्रदेश के बहराइच के दरगाह को लेकर विवाद खड़ा हो गया है. योगी सरकार के कैबिनेट मंत्री अनिल राजभर ने बहराइच स्थित ऐतिहासिक दरगाह में 'सूर्य कुंड' होने का दावा करते हुए इसके एएसआई सर्वे की जोरदार मांग की है. 'हर घर भगवा अभियान' में शामिल होने बहराइच पहुंचे मंत्री राजभर ने स्पष्ट कहा कि वे इस मुद्दे पर सीधे मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से बात करेंगे. उन्होंने कहा कि देश में विदेशी आक्रांताओं का महिमामंडन बर्दाश्त नहीं किया जाएगा.

(जीएनएस)।

उत्तर प्रदेश के बहराइच एक बार फिर से दरगाह के सर्वे को लेकर बड़ी राजनीतिक बहस छिड़ गई है. योगी सरकार में श्रम एवं सेवायोजन कैबिनेट मंत्री अनिल राजभर ने बहराइच की दरगाह में एएसआई (एएसआई) सर्वे कराए जाने का बड़ा बयान देकर खलबली मचा दी है. मंत्री राजभर ने साफ शब्दों में कहा है कि बहराइच की दरगाह परिसर में सूर्य कुंड स्थित है, और इसकी सच्चाई दुनिया के सामने लाने के लिए सर्वे बेहद जरूरी है.

महाराजा सुहेलदेव स्मारक स्थल पर 'हर घर भगवा, कमल निशान' अभियान में शामिल होने पहुंचे मंत्री

अनिल राजभर ने पत्रकारों से बातचीत करते हुए यह बात कही. दरगाह में सूर्यकुंड होने और उसके सर्वे से जुड़े सवाल पर राजभर ने कहा, 'आनंद जी ने जो बात कही है, उस पर सरकार को पूरी गंभीरता से विचार करना चाहिए. मैं भी निश्चित तौर पर इस संबंध में मुख्यमंत्री जी से बात करूंगा और प्रधानमंत्री जी को भी पत्र लिखूंगा.' जब उनसे स्पष्ट पूछा गया कि क्या माना जाए कि एएसआई सर्वे होगा? तो उन्होंने जवाब दिया- 'बिल्कुल होगा एएसआई सर्वे.'

विदेशी आक्रांताओं का नहीं होगा महिमामंडन

मंत्री राजभर ने पिछली समाजवादी पार्टी (सपा) की सरकारों पर निशाना साधा. उन्होंने आरोप लगाया कि सपा सरकारों ने हमेशा महाराजा सुहेलदेव की उपेक्षा की. इसके बजाय 'गाजी की मजार' को सजाने-संवारने का काम किया. उन्होंने कहा खि जिन लोगों ने इस धरती, मां भारती और सनातन धर्म की रक्षा के लिए अपनी जान दांव पर लगा दी, उनके लिए इन लोगों की यही सोच है. लेकिन अब देश में किसी भी विदेशी आक्रांता का महिमामंडन नहीं किया जाएगा.

एआईएमआईएम के प्रदेश अध्यक्ष शौकत अली द्वारा महाराजा सुहेलदेव को लेकर दिए गए बयानों पर मंत्री राजभर बुरी तरह भड़क गए. उन्होंने कहा, 'इस तरह की बात करने वालों की अगर आप 4-5 या 10 पीढ़ी पहले का इतिहास देखेंगे, तो पता चलेगा कि ये क्या थे. आज अक्टक्ट के नेता एक राष्ट्र रक्षक महापुरुष को जातीय सीमा में बांधने की ओछी कोशिश कर रहे हैं.'

उन्होंने कहा, 'महापुरुष पूरे देश के होते हैं और पूरे देश को उनका आदर करना चाहिए. इनकी खुद की हिस्ट्री क्या है? ये बेशर्म टाइप के लोग हैं, जिनके खुद के जाति और धर्म का कहीं कुछ अता-पता नहीं है, ये बस फर्जी चोला ओढ़े हुए हैं. ऐसे बयानों का जितना खंडन और भर्त्सना की जाए, उतना कम है.'

महाराजा सुहेलदेव स्मारक का 70 प्रतिशत काम पूरा

चित्तौरा में बन रहे महाराजा सुहेलदेव स्मारक को लेकर मंत्री ने बताया कि यहां अभी लगभग 70 प्रतिशत काम पूरा हो चुका है. सरकार ने हाल ही में स्मारक के पास स्थित झील के सुंदरीकरण के लिए 4 करोड़ रुपये का बजट भेजा है. उन्होंने कहा कि 30 प्रतिशत बचा हुआ काम भी जल्द पूरा कर लिया जाएगा.

लखनऊ को कल्चरल म्यूजियम की सौगात; इतिहास की डायरी से लेकर संस्कृति-आध्यात्म का हाईटेक संगम, जानिए और क्या खास

आधुनिक सांस्कृतिक संग्रहालय के लिए बजट जारी ८ करोड़ रुपये से होगा तैयार.

(जीएनएस)।

राजधानी में जल्द ही उ४'३४१ं' ट४१ी४ डेवलप होने जा रहा है, जहां उत्तर प्रदेश की जनजातीय विरासत, लोक परंपराएं, संस्कार और भारतीय जीवन दर्शन आधुनिक तकनीक के साथ जीवंत रूप में देखने को मिलेंगे. उत्तर प्रदेश संस्कृति संग्राहलय-म्यूजियम एंड रिचुअल सेंटर' परियोजना के निर्माण और क्यूरेशन कार्य के लिए राज्य सरकार ने करीब 23.42 करोड़ रुपये की स्वीकृति प्रदान की है, जबकि चालू वित्तीय वर्ष में ८ करोड़ रुपये की धनराशि जारी करने की अनुमति भी दे दी गई है.

इंटरैक्टिव गैलरियों में दिखेगा ट्राइबल कल्चर: उत्तर प्रदेश के पर्यटन एवं संस्कृति मंत्री जयवीर सिंह ने बताया कि इस संग्रहालय का विजन सिर्फ एक भवन तैयार करना नहीं, बल्कि उत्तर प्रदेश की जनजातीय और सांस्कृतिक विरासत को आधुनिक अंदाज में दुनिया के सामने प्रस्तुत करना है. यहां प्रदेश की प्रमुख जनजातियों की संस्कृति, परंपराएं, जीवनशैली, आध्यात्मिक सोच और लोक ज्ञान को इंटरैक्टिव गैलरियों के जरिए प्रदर्शित किया जाएगा.

परियोजना के तहत प्रवेश प्लाजा, पार्किंग, स्मारिका केंद्र, कैफेटेरिया, पुस्तकालय, ऑडिटोरियम, आवास ब्लॉक, ओपन थिएटर, तालाब, एडमिन ब्लॉक, निगरानी टावर और सौर ऊर्जा उत्पादन प्रणाली जैसी आधुनिक सुविधाएं विकसित की जाएंगी. संग्रहालय का पूरा ढांचा पारंपरिक वास्तुकला और आधुनिक डिजाइन के समन्वय पर आधारित होगा. यहां आने वाले पर्यटक सिर्फ प्रदर्शनी नहीं देखेंगे, बल्कि भारतीय संस्कारों और जीवनचक्र को अनुभव भी कर सकेंगे.

जन्म से मोक्ष तक भारतीय संस्कारों की झलक: संग्रहालय का सबसे खास हिस्सा उसका 'उ४१ं३ड्डल्ल ऋ्१ं६ड्ड१'' होगा, जिसमें जन्म से मृत्यु तक भारतीय जीवन यात्रा और अर्थ, धर्म, काम तथा मोक्ष जैसे 4 पुरुषार्थों को केंद्र में रखा गया है. आधुनिक तकनीकों जैसे 3ऊ प्रोजेक्शन मैपिंग, होलोग्राफिक प्रोजेक्शन, पैनोरमिक वीडियो वॉल, काइनेटिक मूर्तियां और इंटरैक्टिव इंस्टॉलेशन के जरिए अमूर्त आध्यात्मिक अवधारणाओं को जीवंत रूप में प्रस्तुत किया जाएगा.

रंग लाया बच्चियों का विरोध, लखनऊ के विद्या मंदिर गर्ल्स हाई स्कूल खाली कराने का आदेश प्रशासन ने लिया वापस

एडीएम के आदेश पर खाली कराया गया था स्कूल छात्राओं, अभिभावकों और शिक्षकों ने ली राहत ली की सांस

(जीएनएस)।

लखनऊ। राजधानी लखनऊ में नरही के विद्या मंदिर गर्ल्स हाई स्कूल को खाली कराने का आदेश जिला प्रशासन ने पलट दिया है। अब स्कूल को खाली नहीं कराया जाएगा और बच्चियां नये सत्र से अपने पुराने स्कूल में ही शिक्षा ग्रहण करेंगी।

बीते गुरुवार को एडीएम प्रशासन के आदेश पर पुलिस के साथ पहुंचे कुछ लोगों ने नरही में विद्या मंदिर गर्ल्स हाई स्कूल को खाली कराया था। इसके बाद भी पुलिस की मौजूदगी में भी स्कूल को खाली कराने की कार्रवाई का विरोध किया गया। गुरुवार से लगातार चल रहा बच्चियों,

उनके अभिभावकों और शिक्षक-शिक्षिकाओं के साथ स्कूल प्रबंधन का विरोध रंग लाया। जिला प्रशासन ने सोमवार को बालिका स्कूल खाली कराने का आदेश वापस ले लिया है।

स्कूल परिसर को खाली कराने के लिए एडीएम की ओर से जारी निर्देश के बाद शुक्रवार को स्कूल प्रबंधन, शिक्षकों और अभिभावकों ने कड़ा विरोध जताया। लखनऊ मध्य से समाजवादी पार्टी के विधायक पूर्व मंत्री रविदास मेहरोत्रा भी विरोध प्रदर्शन में पहुंचे थे और समाजवादी पार्टी के अध्यक्ष अखिलेश यादव ने भी इस फैसले के विरोध में एक्स पर एक पोस्ट किया था। मीडिया ने भी इसे प्रमुखता से उठाया, जिसके बाद प्रशासन को अपने निर्णय पर पुनर्विचार करना पड़ा।

सत्र के बीच विद्यालय खाली कराने से छात्राओं की पढ़ाई प्रभावित होती और शैक्षणिक गतिविधियां बाधित होतीं। विरोध बढ़ने के बाद एडीएम ने पूर्व में जारी आदेश को निरस्त कर दिया। आदेश वापस होने से छात्राओं, अभिभावकों और शिक्षकों ने राहत की सांस ली।

महापौर की चौपाल में उठी कूड़ा कलेक्शन और अतिक्रमण की शिकायतें

(जीएनएस)।

लखनऊ। केंद्र सरकार के 12 वर्ष पूर्ण होने के उपलक्ष्य में महापौर की ओर सोमवार को दो वार्डों पेपर मिल कॉलोनी और राजीव गांधी प्रथम वार्ड में चौपाल का आयोजन किया। इसमें लोगों ने सफाई, डोर टू डोर कूड़ा कलेक्शन, अतिक्रमण और नाला सफाई सही न होने की शिकायतें उठाईं। महापौर ने समस्याओं को दूर कराने वादा किया और लापरवाही को लेकर नगर निगम अधिकारियों से नाराजगी भी जताई।

पेपर मिल कॉलोनी वार्ड में अच्छेमल पार्क में चौपाल लगाई गई थी। इसमें गोमतीनगर विश्वास खंड,

बादशाहनगर सचिवालय कॉलोनी, पेपर मिल कॉलोनी, नेहरू एन्क्लेव, बाबा पुरवा, भीखम पुरवा, चक्कर पुरवा, वाल्मीकि नगर व एम ब्लॉक के नागरिकों ने भाग लिया। लोगों ने बताया कि नगर निगम नियमित सफाई तो करा रहा है, लेकिन कुछ स्थानों पर लोग के सड़कों एवं सार्वजनिक स्थलों पर कूड़ा फेंकने और नालों पर अतिक्रमण करने से समस्याएं उत्पन्न हो रही हैं।

कई स्थानों पर नालों के ऊपर रैंप बना दिए गए हैं, जिससे सफाई कार्य प्रभावित होता है और बरसात में जलभराव की स्थिति उत्पन्न हो जाती है। आवारा पशुओं की समस्या भी उठी। ऑल इंडिया कैफी आजमी अकादमी को नगर निगम के अधीन लेकर उसके बेहतर संचालन एवं रखरखाव की व्यवस्था किए जाने का सुझाव भी दिया गया। महापौर ने संबंधित अधिकारियों को इस प्रस्ताव का परीक्षण कर आवश्यक कार्रवाई हेतु निर्देशित किया। इस दौरान नगर आयुक्त गौरव कुमार, पार्षद राजेश सिंह गब्बर और संजय राठौर भी मौजूद रहे।

कॉप ऑफ द मंथ की उपाधि से सम्मानित किए गए लखनऊ साउथ जोन के इंस्पेक्टर व सब इंस्पेक्टर

पुलिस की वर्किंग और पब्लिक को राहत देने के लिए लखनऊ पुलिस कमिश्नरेट में इंस्पेक्टर व सब इंस्पेक्टर की वर्किंग का ऑबजर्वेशन सिस्टम लागू किया गया है। सबसे पहले कमिश्नरेट के साउथ जोन से इसकी शुरूआती की गई है।

(जीएनएस)।

लखनऊ , पुलिस की वर्किंग और पब्लिक को राहत देने के लिए लखनऊ पुलिस कमिश्नरेट में इंस्पेक्टर व सब इंस्पेक्टर की वर्किंग का ऑबजर्वेशन सिस्टम लागू किया गया है। सबसे पहले कमिश्नरेट के साउथ जोन से इसकी शुरूआती की गई है। साउथ जोन के सभी थाना प्रभारियों व चौकी इंचार्ज को इस सिस्टम के तहत शामिल किया गया। जिनकी पुलिस वर्किंग को पूरे मंथ ऑबजेक्टिव इवेल्यूऐशन किया जाएगा। उन्हें पुलिस की वर्किंग पर अंक दिए जाएंगे। जिसके जितने ज्यादा अंक होंगे उन्हें कॉप ऑफ द मंथ के खिताब से सम्मानित भी किया जाएगा। इसके पीछे उद्देश्य है कि पुलिस की वर्किंग में सुधार और पब्लिक को पुलिस के प्रति विश्वास के साथ-साथ ज्यादा से ज्यादा उनकी मदद की जा सके।

वर्किंग ऑब्जेक्टिव इवेल्यूऐशन सिस्टम लागू

साउथ जोन में सभी थाना व चौकी पर तैनात इंस्पेक्टर, सब इंस्पेक्टर की वर्किंग की ऑबजेक्टिव इवेल्यूऐशन सिस्टम लागू किया है। इससे उनकी वर्किंग में प्रोफेशनलिज्म बढ़ा है। साथ ही टार्गेट ओरिएंटेड पुलिसिंग बढ़ी है। पुलिसकर्मियों के बीच पोजिटिव कम्पीटिशन बढ़ा है। जिससे पुलिस की वर्किंग की क्वालिटी बढ़े साथ ही जनता की समस्याओं का त्वरित निस्तारण हो सके। इस सिस्टम में हर थाना प्रभारी द्वारा किये जा रहे कामों के अंक दिये जाते हैं।

किस कार्रवाई में कितने अंक

50 अंक - गुंडा एक्ट के तहत कार्रवाई में

100 अंक- गैंगस्टर एक्ट के तहत कार्रवाई में

10 अंक- नई खोली गई हिस्ट्रीशीट खोलने पर

20 अंक- एनबीडब्लू की गिरफ्तारी

01 अंक - चार्ज शीट व एफआर

100 अंक - पुरस्कार घोषित अभियुक्तों की गिरफ्तारी

200 अंक- आईजीआरएस निस्ताकरण में

1000 अंक- 14(1) गैंगेस्टर व 107 बीएनएसएस जब्तीकरण की कार्रवाई

20 अंक- वाहन नीलामी

02 अंक- सीसीटीवी व्यस्थापन

10 अंक- थाना व तहसील दिवस पर आने वाली शिकायतों के निरस्तारण में

10 अंक- आपरेशन किरन के तहत पारिवारिक समझौता कराने पर

10 अंक- साइबर क्राइम में रिकवरी

50 अंक - साइबर क्राइम में अभियुक्तों की गिरफ्तारी करने पर

20 अंक - मोटर व्हीकल एक्ट के तहत कार्रवाई में

01 अंक - नाइट चेकिंग

इंस्पेक्टर कृष्णा नगर को मिले 1046 अंक

इंस्पेक्टर कृष्णानगर प्रद्युम्न कुमार सिंह को मई मंथ में 1046 अंक मिले, जिससे वह प्रथम स्थान पर हैं। उन्होंने मई मंथ में तीन अभियुक्तों के खिलाफ गुंडा एक्ट की कार्रवाई की, ऑपरेशन किरण के तहत तीन परिवारों का समझौता कराया, इंटर स्टेट गैंग लूट व छिनौती करने का खुलासा किया, दो अभियुक्तों का एनकाउंटर व अन्य 05 शातिर अभियुक्तों को अरेस्ट कर माल बरामदी की।

गोसाईगंज इंस्पेक्टर को मिले 958 अंक

इंस्पेक्टर गोसाईगंज डीके सिंह को कुल 958 अंक मिले, जिससे वह दूसरे स्थान पर रहे। उन्होंने एक गैंगस्टर एक्ट के तहत कार्रवाई, एनबीडब्लू व वांछित की गिरफ्तारी, 6 केस में सीएस व एफआर के अलावा, 13 थाना दिवस व तहसील दिवस आने वाली कंप्लेन का निस्तारण किया। इसके अलावा, ऑपरेशन किरण के तहत 19 परिवारों के समझौते की कार्रवाई की।

इंस्पेक्टर मोहनलालगंज तीसरे स्थान पर

इंस्पेक्टर मोहनलालगंज बृजेश कुमार त्रिपाठी ने कुल 892 अंक प्राप्त कर तीसरा स्थान हासिल किया है। उनके निर्देश पर मोहनलालगंज पुलिस ने एक अभियुक्त के खिलाफ गुंडा एक्ट में कार्रवाई, एक एनबीडब्लू व वांछित की गिरफ्तारी, दो नाबालिग लड़कियों की सकुशल बरामदगी और थाना दिवस व तहसील दिवस आने वाली 24 प्रार्थना पत्रों का निस्तारण के साथ ही ऑपरेशन किरण के तहत चार परिवारों का समझौता की कार्रवाई की।

सब इंस्पेक्टर को भी मिला स्थान

मोहनलालगंज की भागू खेड़ा चौकी के प्रभारी आशीष कुमार ने मोहनलालगंज सर्किल में 952 अंक प्राप्त कर पहला स्थान पाया है। गोसाईगंज सर्किल में सीसी टीम प्रभारी सब इंस्पेक्टर लाल सिंह ने 624 अंक प्राप्त कर पहला स्थान हासिल किया है। साउथ जोन के कृष्णा नगर सर्किल में सब इंस्पेक्टर ज्ञानेश्वर सिंह सीसी टीम प्रभारी ने कुल 1935 अंक प्राप्त कर सर्किल में प्रथम स्थान प्राप्त किया है।

धनंजय के लखनऊ स्थित घर को कुर्क कराने की तैयारी तेज

(जीएनएस)।

संतकबीरनगर। फर्म में निवेश के नाम पर लोगों से करोड़ों रुपये की ठगी और धोखाधड़ी के मामले में पुलिस अब आरोपी की संपत्तियों पर शिकंजा कसने की तैयारी में है। मामले के मुख्य आरोपियों में शामिल कुशीनगर निवासी धनंजय शुक्ल के लखनऊ स्थित मकान को कुर्क (जब्त) कराने के लिए पुलिस ने न्यायालय में रिपोर्ट भेज दी है। पुलिस के अनुसार मकान 65 लाख रुपये में खरीदा गया था, जबकि वर्तमान में उसकी अनुमानित कीमत करीब 90 लाख रुपये है। इसे अपराध से अर्जित धन से खरीदना पाया गया है।

जांच अधिकारी के मुताबिक धनंजय व उसकी प्रेमिका रजनी के नाम चार पर्सनल एवं फर्म के नाम से चार संचालित बैंक खातों का भी पता चला है। हालांकि पुलिस के खातों तक पहुंचने से पहले ही उनमें जमा अधिकतर धनराशि निकाल ली गई । अब खातों के लेन-देन और रकम के अंतिम लाभार्थियों की पड़ताल की जा रही है।

पुलिस अधिकारियों के अनुसार गिरोह कूटरचित दस्तावेजों के जरिये निवेश का झांसा देकर लोगों से धन जुटाता था। मामले में धनंजय और उसकी महिला सहयोगी को पहले ही गिरफ्तार किया जा चुका है। पुलिस अन्य आरोपियों, संपत्तियों और बैंक खातों की जानकारी जुटाने में लगी है। अधिकारियों का दावा है कि अपराध से अर्जित संपत्तियों को चिह्नित कर कुर्की की कार्रवाई आगे भी जारी रहेगी।

संपत्तियों की कुर्की की तैयारी

मुख्य आरोपी धनंजय शुक्ल द्वारा ठगी की रकम से लखनऊ के पारा क्षेत्र (जेबी बैली गार्डन कॉलोनी) में खरीदे गए करीब 90 लाख रुपये के मकान को पुलिस कुर्क (जब्त) कराने की कानूनी प्रक्रिया शुरू कर चुकी है। गिरोह के सदस्यों ने निवेशकों के पैसों से जो भी जमीन, मकान या वाहन खरीदे हैं, उन्हें कुर्क कर पीड़ितों को उनका पैसा वापस दिलाने की कार्रवाई की जा रही है। यह मामला महुली थाना क्षेत्र के हटवा निवासी संतलाल मौर्य द्वारा दर्ज कराई गई शिकायत के बाद प्रकाश में आया था। उन्होंने 51 लाख रुपये की धोखाधड़ी का आरोप लगाया था।

मुख्य आरोपी और ठगी का तरीका

गिरोह का मुख्य सरगना धनंजय शुक्ल (कुशीनगर निवासी) और रजनी प्रजापति हैं, जो फिलहाल जेल में बंद हैं। आरोपियों द्वारा निवेशकों को 6 से 40 प्रतिशत तक का मुनाफा देने और 180 दिनों तक पैसा रखने पर हर महीने 18 प्रतिशत ब्याज देने का झांसा दिया जाता था।

हालिया विवेचना के दौरान पुलिस ने साक्ष्य संकलन कर चार और सक्रिय सदस्यों को प्राथमिकी में नामजद की है, जिनके 16 बैंक खातों को खंगाला जा रहा है। पुलिस जांच में सामने आया कि इस गिरोह का नेटवर्क सिर्फ संतकबीरनगर तक सीमित नहीं था।